सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

आवश्यकता है
मीडिया हाउस
में काम करने के लिए
ऑफिस बॉय की जरूरत है।
(छुटपुट कुकिंग कार्य करने वाले को प्राथमिकता)
वेतन चार अंकों में ....
पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा , सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 8319932659

वर्ष- 15 अंक - 47 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 30 नवंबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ का मौसम हुआ सुहाना तापमान में होगी गिरावट, कुछ इलाकों में बारिश की संभावना

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर का मौसम अब सुहाना हो गया है। आज सुबह से ही हल्की धूप के साथ ठंडी हवाएं लोगों को खूब भा रही हैं। रायपुर सहित पूरे प्रदेश के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग का मानना है कि इस तरह का बदलाव हवा में नमी की वजह से देखा जा रहा है। जिसका प्रभाव आने वाले कुछ दिनों तक इसी तरह देखने को मिलेगा। इसके साथ ही प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्के बादल भी छाए हुए हैं जिससे कि न्यूनतम तापमान में और गिरावट देखने को मिल सकती है। साथ ही प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश के भी संकेत मिल रहे हैं।

राजधानी रायपुर में न्यूनतम तापमान 17.5 डिग्री तो वही जांजगीर-चांपा में सबसे कम 11.5 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार बीते दिनों मंगलवार को प्रदेश के कई स्थानों में बारिश देखी गई थी। अलग-अलग सिस्टम के सक्रिय होने के कारण हल्की बूंदाबांदी के साथ तेज हवाएं भी चली थी। जिसके कारण प्रदेश का तापमान गिरा था और ठंड बढ़ गई थी। इसके साथ ही अगले दिन बुधवार को मौसम में थोड़ा परिवर्तन देखने को मिला है। वही आज गुरुवार को मौसम में नमी की वजह से प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्के बादल छाए हुए हैं माना जा रहा है कि कुछ इलाकों में गरज चमक के साथ हल्की बारिश लोगों को परेशान कर सकती है। इसके साथ ही आज गुरुवार को प्रदेश का अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम तापमान में गिरावट देखने को मिल सकती है।

राममंदिर के उद्घाटन पर आयोजित रामलीला में पाकिस्तानी कलाकार भी होंगे शामिल, 17 जनवरी से होगी शुरुआत

अयोध्या (एजेंसी)। फिल्मी कलाकारों की रामलीला इस बार नए कलेवर में नजर आएगी। रामलीला में पाकिस्तान समेत 14 देशों के कलाकार रामकथा को जीवंत करते नजर आएंगे। राममंदिर के उद्घाटन की खुशी में फिल्मी रामलीला का आयोजन इस बार जनवरी में भी होगा। यह रामलीला हर साल दशहरा पर होती रही है। 17 से 22 जनवरी तक सरयू तट स्थित रामकथा पार्क में रामलीला का मंचन होगा।

रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सुभाष मलिक ने बताया कि पहली बार रामलीला में फिल्मी कलाकारों के साथ विदेशी कलाकार भी नजर आएंगे। ये कलाकार रूस, मलयेशिया, अमेरिका, लंदन, दुबई, इस्राइल, अफगानिस्तान, जापान, चीन, जर्मनी, अमेरिका, थाईलैंड, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, पाकिस्तान के कलाकार अयोध्या की रामलीला में काम करेंगे।

भारतीय रेलवे का कारनामाः ड्यूटी खत्म कहकर चला गया ड्राइवर और गार्ड, बीच राह फंस गए 2500 यात्री

बाराबंकी (एजेंसी)। सहरसा से दिल्ली जा रही स्पेशल ट्रेन बुढ़वल रेलवे स्टेशन पर रोकी गई। मालगाड़ी क्रॉस होने के बाद यात्री ट्रेन चलने का इंतजार करते रहे। एक घंटा गुजर गया तो यात्री पूछताछ करने लगे। इस पर बताया गया कि ड्राइवर व गार्ड की ड्यूटी का समय समाप्त हो गया था वह चले गए। ऐसे में करीब 2500 यात्री फंस गए। यात्रियों का आक्रोश फूट पंड़ा और प्रदर्शन शुरू कर दिया गया। उच्चाधिकारियों को खबर मिली तो गोण्डा से ड्राइवर व गार्ड भेजे गए। इस दौरान करीब साढ़े तीन घंटे तक यात्री भूख-प्यास से परेशान रहे। शाम 4.50 बजे ट्रेन रवाना की गई।

अगली पारी का मुकम्मल इंतजाम कर आए भूपेश!

हाईकमान को भूपेश ने दिया सभी 90 सीटों का फीडबैक, सरकार बनाने दिखाई आश्वस्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

भिलाई। मंगलवार को दिल्ली दौरे पर निकले सीएम भूपेश बघेल ने बुधवार को पार्टी के शीर्षस्थ नेताओं से मुलाकात की। पहले पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मिले और उसके बाद राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा गांधी और अंत में सोनिया गांधी से लम्बी चर्चा की। यह सब ऐसे समय में हुआ, जबकि छत्तीसगढ़ में एक बार फिर कांग्रेस पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने का दावा कर रही है। एक ओर जहां उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, सीएम पद के लिए दावा ठोंक चुके हैं तो दूसरी ओर पार्टी नेतृत्व भावी सीएम पर चुप्पी साधे हुए हैं। राज्य में सीएम पद को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। भूपेश बघेल के दिल्ली दौरे को इसी घटनाक्रम से जोड़कर देखा जा रहा है।

खबर है कि सीएम भूपेश बघेल के दिल्ली दौरे के दौरान इस बात पर प्रमुखता से चर्चा हुई है कि इस बार छत्तीसगढ़ का सीएम कौन होगा। हालांकि प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष समेत कई विधायक खुलकर कह चुके हैं कि भूपेश बघेल ही अगले सीएम होंगे। खुद भूपेश बघेल भी दोहरा चुके हैं कि क्योंकि चुनाव उनके नेतृत्व में हुआ, इसलिए किसी को संशय में नहीं रहना चाहिए। बावजूद इसके छत्तीसगढ़ में दावों और अनुमानों की एक अलग तरह की हवा चल रही है, जो खासतौर पर टीएस बाबा पर फोकस है। उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने राजनीतिक हलकों में उस समय सनसनी फैला दी थी जब उन्होंने इस चुनाव को अपना अंतिम चुनाव बताते हुए स्वयं को सीएम पद का प्रमुख दावेदार बताया था। दरअसल, छत्तीसगढ़ में सारा विवाद उस समय शुरू हुआ था, जब टीएस बाबा ने ढाई-ढाई साल वाले सीएम फार्मूले का रहस्योद्घाटन किया था। दावा किया गया कि 2018 में पूर्ण बहुमत आने के बाद हाईकमान के बीच यह चर्चा हुई थी कि ढाई साल तक भूपेश बघेल और अगले ढाई साल तक टीएस बाबा सीएम रहेंगे। जब टीएस बाबा ने यह मसला उठाया तो छत्तीसगढ़ की कांग्रेसी राजनीति में तूफान मच गया था। दर्जनों विधायक भूपेश बघेल के समर्थन में दिल्ली कूच कर गए।

इन विधायकों ने कई दिनों तक पार्टी के शीर्ष नेताओं पर दबाव बनाए रखा, जिसके बाद माना जाता है कि अंततः भूपेश बघेल को सीएम पद पर अभयदान मिल गया। लेकिन यह विवाद एक बार फिर टीएस बाबा के बयान से उठ खड़ा हुआ। कई राजनीतिक विश्लेषक यह दावा तक करने लगे कि इस बार सीएम पद के सबसे प्रमुख दावेदार टीएस सिंहदेव ही हैं। इन तमाम परिस्थितियों के बीच मंगलवार को भूपेश बघेल का अचानक दिल्ली पहुंचना बहुत सारे संकेत और संदेश दे रहा है। माना जा रहा है कि सीएम पद पर अपनी अगली पारी को पुख्ता और मुकम्मल करने के लिए ही सीएम भूपेश बघेल दिल्ली दौरे पर गए। दावा यह भी किया जा रहा है कि वे अपने इस दौरे से पूरी तरह सफल और संतुष्ट होकर लौटे हैं।

...क्योंकि टीएस असंतुष्ट हैं

भले ही कांग्रेस में सतही तौर पर सब कुछ ठीक-ठाक दिख रहा हो, लेकिन पार्टी के अंदरखाने काफी हलचल है। राजनीति के जानकार, टीएस बाबा का वह बयान याद दिला रहे हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं सिर्फ विधायक बनने के लिए चुनाव नहीं लड़ रहा हूँ। ढाई साला विवाद के बाद हाईकमान की दखल पर टीएस बाबा को उपमुख्यमंत्री का पद दिया गया था, लेकिन समय-समय पर वे इस पद के औचित्य पर ही सवाल उठाते रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि टीएस सिंहदेव संतुष्ट नहीं हैं। ऐसे में उनकी असंतुष्टि के कई मायने निकाले जा रहे हैं। यहां तक कि उन्हें एमपी के ज्योतिरादित्य सिंधिया से भी जोड़ा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 2018 के चुनाव में जब कांग्रेस को बहुमत मिला और एमपी में उसने सरकार बनाई थी तब पार्टी के फैसलों से नाखुश सिंधिया ने अपने समर्थक विधायकों के साथ भाजपा प्रवेश कर लिया था। इसके चलते कांग्रेस की कमलनाथ सरकार गिर गई थी। मुख्य बात है कि छत्तीसगढ़ में भी टीएस असंतुष्ट हैं।

पकड़ मजबूत करने की कोशिश

छत्तीसगढ़ समेत सभी 5 राज्यों के चुनाव नतीजे आने में अब महज 2 दिन शेष है। राज्य में हुए 2 चरणों के मतदान के बाद कांग्रेस एक बार फिर सरकार बनाने को लेकर आश्वस्त है। ऐसे में टीएस बाबा द्वारा छोड़े गए कथित शिगूफे को भूपेश बघेल जैसे सुलझे हुए और पाखड़ नेता हल्के में कैसे ले सकते हैं? श्री बघेल ने छत्तीसगढ़ को कांग्रेसमय बनाने के लिए पूरे 5 वर्ष तक मेहनत की। ऐसे में कोई भी राजनेता अपने हाथों की कमान दूसरे के पास जाते नहीं देख सकता। शायद यही वजह है कि मतगणना से ऐन पहले सीएम भूपेश बघेल ने हाईकमान तक अपनी पकड़ और मजबूत करने की कोशिश की है। संभवतः श्री बघेल यह हालात पैदा ही नहीं होने देना चाहते कि बहुमत के बाद सीएम पद के लिए किसी और नाम की चर्चा हो। हालांकि यह कहा जा रहा है कि दिल्ली दौरे के दौरान मतदान की तैयारियों से लेकर सभी 90 सीटों का फीडबैक देने का प्रयास भूपेश बघेल ने किया है। लेकिन अपुष्ट खबरें बताती है कि इस दौरान सीएम पद को लेकर भी बातचीत हुई है।

आज आएंगे एग्जिट पोल्स, कितना सटीक रहेगा आकलन

मध्यप्रदेश में रहेगा शिव का राज या कमल बनेंगे नाथ

भोपाल (एजेंसी)। विधानसभा चुनावों के लिए एग्जिट पोल्स के प्रकाशन पर लगा प्रतिबंध 30 नवंबर को यानि आज शाम छह बजे तेलंगाना में वोटिंग खत्म होने के साथ ही समाप्त हो जाएगा। इसके बाद तमाम न्यूज चैनल्स के एग्जिट पोल्स भी सामने आएंगे। इस बार चुनाव बेहद गहमागहमी भरे माहौल में हुए हैं। राजनीतिक विश्लेषक भी दावा करने की स्थिति में नहीं है कि किसकी सरकार बनने जा रही है। इस वजह से एग्जिट पोल्स बहुत महत्वपूर्ण हो जाते हैं। उनका बेसब्री से इंतजार हो रहा है। इससे पहले 2013 और 2018 में कुछ ही एग्जिट पोल्स सटीक परिणाम के आसपास जरूर पहुंचे थे। हालांकि, उसमें मिले संकेत सटीक थे। 2013 में भाजपा की जीत और 2018 में कांटे के मुकाबले का अनुमान एग्जिट पोल्स ने सटीक लगाया था।

महिलाओं ने किया बम्पर मतदान

मध्य प्रदेश विधानसभा की 230 सीटों के लिए 17 नवंबर को मतदान हुआ था। विधानसभा चुनावों के सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए इस बार 77.15 प्रतिशतवोटिंग हुई है। इससे पहले 2018 में 74.97 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। इस बार सिवनी में सबसे अधिक 86.29 प्रतिशत वोटिंग हुई है। वहीं, छिंदवाड़ा में 85.85 प्रतिशत, बालाघाट में 85.35 प्रतिशत, आगर मालवा में 85.09 प्रतिशत और शाजापुर में 85.01 प्रतिशत मतदान हुआ है। पुरुष और महिला वोटरों की बात करें तो इस बार दोनों की ही हिस्सेदारी 2 प्रतिशत-2 प्रतिशत बढ़ी है। इस बार 78 प्रतिशत पुरुषों ने 76 प्रतिशत महिलाओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। भले ही अंतर दो प्रतिशत का दिख रहा हो, 20 साल में 14 प्रतिशत अधिक महिलाएं वोट डालने मतदान केंद्रों तक पहुंची हैं।

इस बार सबसे लंबी 16 दिन तक प्रतीक्षा

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों में 2533 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, जिनके भविष्य का फैसला तीन दिसंबर को होगा। पहली बार मतदान और नतीजों में 16 दिन का अंतर देखने को मिल रहा है। इससे प्रत्याशियों के साथ-साथ आम लोगों में भी बेचैनी बढ़ रही है। पिछले चुनावों में नतीजों के लिए इंतजार को देखें तो वर्ष 1998 और 2003 में मतदान संपन्न होने के तीसरे दिन चुनाव परिणाम घोषित हो गए थे। 2008 में 11 दिन इंतजार करना पड़ा था। 2013 और 2018 में भी 13 दिनों का इंतजार करना पड़ा था। इस वर्ष मतदान के बाद नतीजों के लिए 16 दिन का इंतजार करना पड़ रहा है।

चुनावी वायदों में फँसा बड़ा पेंच!

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की मुख्य फसल धान को लेकर किसानों से राजनीतिक दलों के चुनावी वादों और त्यौहार का असर यहां खरीदी में हुआ है। राज्य में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर धान खरीदी शुरू होने के करीब एक महीने बाद किसानों से लगभग 13.21 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया है जो पिछले वर्ष खरीदी गई मात्रा से कम है। राज्य के राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, चुनाव प्रचार में राजनीतिक दलों द्वारा अधिक कीमत पर धान खरीदी का वादा, त्यौहार और धान में नमी ने राज्य में धान बेचने की गति को प्रभावित किया है।

राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, राज्य में एक नवंबर से किसानों से धान खरीदी शुरू होने के बाद से मंगलवार तक 3,17,223 किसानों से 13,20,457.80 मीट्रिक टन धान खरीदा गया है। उन्होंने बताया कि पिछले खरीफ मौसम (2022-23) में 5.42 लाख किसानों ने इसी अवधि (एक नवंबर से 29 नवंबर) के दौरान 19.30 लाख मीट्रिक टन धान बेचा था। राज्य सरकार ने चालू मौसम के दौरान 130 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का लक्ष्य रखा है।

26.87 लाख किसानों ने कराया है पंजीयन

एक सरकारी अधिकारी ने बुधवार को बताया कि किसानों से धान खरीदी के लिए 2739 खरीद केंद्र स्थापित किए गए हैं। खरीद अभियान एक नवंबर को शुरू हुआ है तथा अगले वर्ष 31 जनवरी तक जारी रहेगा। उन्होंने बताया, ''लगभग 26.87 लाख किसानों ने अपनी उपज बेचने के लिए पंजीकरण कराया है।'' मौजूदा कांग्रेस सरकार केंद्र द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान की खरीद कर रही है और धान किसानों को प्रति एकड़ नौ हजार रुपए 'इनपुट सब्सिडी' दे रही है। राज्य सरकार ने चालू खरीफमौसम के लिए खरीद की सीमा 15 क्विंटल प्रति एकड़ से बढ़ाकर 20 क्विंटल प्रति एकड़ कर दी थी। इस निर्णय को पार्टी के चुनावी घोषणापत्र में भी शामिल किया गया है। कांग्रेस ने यह भी वादा किया है कि यदि वह राज्य में सत्ता बरकरार रखती है, तो किसानों को प्रति क्विंटल 3,200 रुपये मिलेंगे। पार्टी ने किसानों को लुभाने के लिए ऋण माफी का भी वादा किया है। पार्टी ने इससे पहले 2018 के चुनाव में भी किसानों से ऋण माफी का वादा किया था। माना जाता है कि इसका असर चुनाव में हुआ था।

कम हुई धान की आवक, किसानों को नई सरकार का इंतजार

क्या कहना है किसानों का

दुर्ग जिले के पाटन विधानसभा क्षेत्र के सावनी गांव के किसान लीलाराम चंद्राकर ने कहा कि उनके क्षेत्र के अधिकतर किसानों ने अपना धान नहीं बेचा है और इसका मुख्य कारण यह है कि वे नई सरकार के गठन का इंतजार कर रहे हैं। चंद्राकर ने कहा, ''भाजपा ने प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदने का वादा किया है। पार्टी ने यह भी वादा किया है कि धान खरीद के लिए भुगतान एक बार में किया जाएगा, जबकि मौजूदा कांग्रेस सरकार चार किस्तों में एमएसपी पर 'इनपुट सब्सिडी' देती है। इसलिए किसान तीन दिसंबर तक इंतजार कर रहे हैं, जब चुनाव परिणाम आएंगे।'' चंद्राकर 18 एकड़ जमीन पर धान की खेती करते हैं और उन्होंने अभी तक अपनी उपज नहीं बेची है। उन्होंने कहा, ''खरीद केंद्र (खरीद केंद्र) गांव में ही है। इस बार फसल कटाई में देरी भी हुई और धान में नमी अधिक है। 17 प्रतिशत तक नमी वाला धान खरीद केंद्रों में स्वीकार्य है। एक कारण यह भी है कि किसान धान नहीं बेच रहे हैं।''

भाजपा ने भी खेला है बड़ा दांव

भारतीय जनता पार्टी ने वादा किया है कि अगर वह राज्य में सत्ता में आई तो 'कृषि उन्नति योजना' शुरू की जाएगी, जिसके तहत किसानों से 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदा जाएगा। दोनों प्रमुख दलों ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि धान की ऊंची कीमत फसल खरीद के किस मौसम से दी जाएगी। 90 सदस्यीय राज्य विधानसभा के लिए दो चरणों में सात और 17 नवंबर को मतदान हुआ है। वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। राज्य के किसान मानते हैं कि राजनीतिक दलों के वादों का असर धान खरीद पर हो रहा है। राजनीतिक विशेषज्ञ आर कृष्ण दास के मुताबिक, ''धान खरीद की धीमी गति की ऐसी ही स्थिति 2018 के चुनावों के दौरान देखी गई थी जब कांग्रेस ने 2,500 रुपये में धान खरीदा और कर्ज माफी का वादा किया था। इस बार भी किसानों को चुनाव नतीजों का इंतजार है।'' उन्होंने कहा, ''राजनीतिक दलों ने अपने घोषणापत्र में यह उल्लेख नहीं किया है कि धान खरीद के बदले अधिक कीमत किस खरीफसीजन से दी जाएगी।''

फ्लाईओवर के नीचे की जमीन किसकी

श्रीकंचनपथ

पुलों का आविष्कार नदी नालों को पार करने के लिए हुआ था। रेलगाड़ी और सड़क पर चलने वाली गाड़ियां भी एक दूसरे का रास्ता काटती थीं। प्राथमिकता रेल को मिलती थी। जैसे ही कोई क्रासिंग आता, सड़क मार्ग को बंद कर दिया जाता जो रेल के गुजरने के बाद खुलता। विकास का पहिया चलता रहा और रेलगाड़ियों की बाढ़ आ गई। क्रासिंग दिन में कई-कई घंटे के लिए बंद होने लगा। इसका भी हल ढूंढ लिया गया। ओवर ब्रिज और अंडरब्रिज बनाकर सड़क यातायात को आसमान और पाताल में भेज दिया गया। गाड़ियों की संख्या बढ़ती रही तो सड़कों की क्रासिंग का भी यही हाल हो गया। फिर सड़कों पर भी ओवरब्रिज (फ्लाईओवर) बना दिये गये। फ्लाईओवर हो या अंडरब्रिज इसकी ढाल बनाने के लिए चौक से कहीं ज्यादा जगह चाहिए होती है। चौक-चौराहे के दोनों तरफ सैकड़ों मीटर की जमीन खाली रह जाती है। ऊपर से सड़क गुजर रही होती है इसलिए इसके नीचे डेरा जमाना आसान होता है। अब सारा झगड़ा इस खाली जमीन को लेकर है। सड़क भले ही आसमान में बनी हो तो पर उसके पैर जमीन पर ही होते हैं। यह जमीन लोक निर्माण विभाग के सेतु निर्माण विभाग को हस्तांतरित कर दी जाती है। उसका काम सेतु बनाना है न कि उसके नीचे की व्यवस्था करना। कायदे से नीचे की जमीन को प्राप्त करने के लिए स्थानीय सरकार को पहल करनी चाहिए। ठीक उसी तरह जैसे भिलाई नगर निगम ने भिलाई टाउनशिप पर विकास कार्य करने के लिए अधिकार जमाया। एक बार यह जमीन स्थानीय सरकार के पास आ जाए तो वह उसकी भी प्लानिंग कर सकती है। शहरों में यातायात का भारी दबाव है और पार्किंग को लेकर मारामारी की स्थिति है। जहां-जहां फ्लाईओवर बाजार या आवासीय क्षेत्र में बने हैं, वहां इस खाली स्थान का उपयोग पार्किंग के लिए किया जा सकता है। छोटे-मोटे रोजगार के लिए यहां गुमटियों को लायसेंस दिया जा सकता है। देर सबेर ऐसा होना तय है इसलिए ऐसे स्थलों की ताक में रहने वालों ने वहां पहले ही डेरा जमा लिया है। जब उन्हें हटाने से लिए सर्वे किया जाएगा तो इसमें उनका नाम पहले आ जाएगा। फिर जब गुमटियां आवंटित होंगी तो उन्हें वह जगह एक नम्बर में मिल जाएगी। शहरों का विकास इसी तरह होता है। जिस शहर से रोजगार जुड़ा हो, वहां झुग्गी बस्तियां, ठेला-गुमटी वाले शहर के आसपास फैलते चले जाते हैं और शहर बड़ा होता जाता है। शहर सरकार को फैलना होता तो वह इन्हें थोड़ा और बाहर ठेल देती है। विकास का यह क्रम प्रत्येक शहर में देखने को मिल जाएगा। पर नया दौर शहर को सुन्दर बनाने का भी है। अब शहर वाले नहीं चाहते कि उनके आसपास झुग्गियां हों, भिखारियों का डेरा हो। इसलिए शहर सरकार को कुछ और मुस्तैदी के साथ प्लानिंग करनी होगी। फ्लाईओवर बनना शुरू होते ही उसके नीचे की प्लानिंग भी बन जानी चाहिए।

संपादकीय

तेज होती तरक्की

जब भारत विकास के पथ पर बढ़ रहा है, तब न केवल लोक-कल्याण की योजनाओं, बल्कि उसके पूंजीवादी स्वरूप का भी विस्तार हो रहा है। बुधवार को जहां केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को 1 जनवरी, 2024 से पांच साल तक बढ़ाने की घोषणा कर दी, वहीं भारत के प्रमुख शेयर बाजार का पूंजी आकार चार ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गया। पहले बात प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की, इस योजना पर सरकार अगले पांच वर्षों में कुल 11.80 लाख करोड़ रुपये खर्च करेगी। चिह्नित परिवारों को मुफ्त अनाज मिलता रहेगा। वास्तव में, इस मुफ्त अनाज योजना के निंदक भी बहुत हैं, जो नहीं चाहते कि यह योजना चले, पर स्वाभाविक रूप से ऐसी लोक-लुभावन योजना को शुरू करने के बाद बंद करना आसान नहीं है। चूंकि एक बड़ी आबादी ऐसी है, जिसे इस योजना से लाभ हुआ है और इसे जारी रखने में सरकार को भी कोई खास दिक्कत नहीं आ रही है, इसलिए भी कम से कम आगामी पांच वर्ष के लिए इस योजना को भारतीय लोक-कल्याण योजनाओं में प्रमुखता से शामिल मानने में कोई हर्ज नहीं है।

> अगर सरकार जरूरतमंदों को ही यह लाभ दे और अनाज का उनका हिस्सा बढ़ा दे, तो यह योजना और भी कारगर कहलाएगी। किसी योजना को जारी रखना अच्छी बात है, लेकिन समय के साथ उसके लक्ष्य को भी ज्यादा निर्दिष्ट करते चलना चाहिए, ताकि यह आभास लगातार हो कि भारत में मुफ्त अनाज के तलबगारों की संख्या घट रही है।

हालांकि, इसके लाभार्थियों के दायरे को क्रमशः कुछ कम किया जाना चाहिए। ध्यान रहे, जब हम इस योजना का प्रचार करते हैं, तब यह भी बताते हैं कि देश के 81 करोड़ लोगों को इसका लाभ मिल रहा है, इससे दुनिया में यही ध्वनि जाती है कि भारत के ज्यादातर लोग गरीब हैं और उन्हें मुफ्त अनाज की जरूरत है। अगर सरकार जरूरतमंदों को ही यह लाभ दे और अनाज का उनका हिस्सा बढ़ा दे, तो यह योजना और भी कारगर कहलाएगी। किसी योजना को जारी रखना अच्छी बात है, लेकिन समय के साथ उसके लक्ष्य को भी ज्यादा निर्दिष्ट करते चलना चाहिए, ताकि यह आभास लगातार हो कि भारत में मुफ्त अनाज के तलबगारों की संख्या घट रही है। ध्यान रखना चाहिए कि यह योजना 2020 में कोरोना महामारी के दौरान राहत उपाय के रूप में शुरू की गई थी और वह महामारी अब बीती बात हो चुकी है। खैर, बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल का एक और फैसला भी ध्यान खींचता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने 24,104 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) को मंजूरी दी है। इस योजना से देश में लगभग 11 करोड़ की आबादी वाले जनजातीय समूहों के विकास को बहुत बल मिलेगा। अब बात देश को मिल रही पूंजीगत मजबूती की। देश के प्रमुख शेयर बाजार बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य बुधवार को पहली बार चार ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। अगर भारतीय मुद्रा में बात करें, तो बॉम्बे शेयर बाजार में दर्ज कंपनियों का बाजार मूल्य 3,333 खरब रुपये के करीब पहुंच गया है। विदेशी निवेशकों के साथ ही देशी निवेशकों का भी विश्वास हम जीतते हुए आगे बढ़ रहे हैं। गौरतलब है, चार ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक बाजार पूंजी वाले शेयर बाजार दुनिया के चार ही देशों में सेवाएं दे रहे थे। अमेरिका, चीन, जापान और हांगकांग के साथ अब भारत भी मूल्यवान देशों में शुमार हो गया है। मोटे तौर परढाई वर्ष की अवधि में हम तीन से चार ट्रिलियन तक पहुंचे हैं। भारत की तरक्की चौंकाती ही नहीं, बल्कि प्रेरित भी करती है कि पूंजी का तेज विस्तार हो और देश लोक-कल्याण के मोर्चे पर भी अपना परचम फहराता रहे।

क्योंकि सवाल राजनीतिक है

विधेयकों को मंजूरी देने के मामले में राज्यपालों की अपेक्षित भूमिका के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा है, उससे व्यवहार में कितना फर्क पड़ेगा, यह कहना मुश्किल है। कोर्ट इस बारे में संविधान के प्रावधान की उचित व्याख्या की है। लेकिन यह प्रावधान तो पहले से मौजूद है और उसमें कोई अस्पष्टता नहीं है। पंजाब और केरल की सरकारों और वहां के राज्यपालों के बीच चल रहे विवाद में अदालत ने कहा है कि अगर राज्यपाल किसी विधेयक को मंजूरी नहीं देना चाहते हैं, तो उन्हें अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए बिल को यथाशीघ्र पुनर्विचार के लिए विधानसभा को लौटा देना चाहिए। अब यहां असल मुद्दा इसी यथाशीघ्र की व्याख्या का है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में कोई निश्चित समयसीमा तय नहीं की। संभवतः ऐसा करना संविधान के मुताबिक उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। इसीलिए उसने जो व्यवस्था दी है, उसे एक तरह से कोर्ट की सदिच्छा कहा जा सकता है। यथाशीघ्र का मतलब कितना समय है, इस बारे में राज्य सरकार और राज्यपाल की समझ अलग-अलग होने की गुंजाइश बची हुई है।

कोर्ट ने कहा है कि किसी विधेयक को लौटाए जाने के बाद अगर विधानसभा उनकी आपत्तियों पर गौर करते हुए या उसे नामंजूर करते हुए विधेयक को फिर से पारित कर देती है, तो फिर राज्यपाल के पास उस पर दस्तखत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। यह भी संवैधानिक प्रावधान को दोहराया जाना ही है। बहरहाल, इस मामले में सुप्रीम कोर्ट को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इसलिए कि जो समस्या पैदा हुई है, उसका कारण संवैधानिक प्रावधान की अस्पष्टता नहीं है। बल्कि उसकी जड़ें मौजूदा राजनीतिक माहौल में छिपी हैं। अगर केंद्र की सत्ता में मौजूद पार्टी सर्वसत्तावादी महत्त्वाकांक्षाएं पाल ले, तो वे तमाम संवैधानिक प्रावधान महज कागज पर लिखी लकीर बन जाते हैं, जिनका मकसद व्यवस्था को नियंत्रित और संतुलित रखना है। चूंकि ऐसा एक राजनीतिक प्रक्रिया के माध्यम से होता है, इसलिए इसका समाधान भी ऐसी ही प्रक्रिया से ढूंढा जा सकता है। राज्यपालों के व्यवहार से जो राजनीतिक दल अपने को पीड़ित महसूस कर रहे हैं, उन्हें यह बात अवश्य याद रखनी चाहिए।

भारत की ब्रिक्स दुविधा

पाकिस्तान ने ब्रिक्स की सदस्यता के लिए अर्जी दे दी है। ब्रिक्स में परंपरा आम-सहमति से निर्णय लेने की है। ऐसे में भारत की अकेली असहमति भी पाकिस्तान की सदस्यता रोक सकती है। मगर ऐसा करते हुए भारत के अलग-थलग पड़ने का अंदेशा है। पाकिस्तान ने ब्रिक्स की सदस्यता लेने के लिए औपचारिक रूप से आवेदन कर दिया है। गौरतलब है कि इसका एलान सबसे पहले मास्को स्थित पाकिस्तानी राजदूत ने किया। खबरों के मुताबिक रूस पाकिस्तान को ब्रिक्स समूह में लाने का पूरा समर्थन कर रहा है। हाल में रूस और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक और राजनयिक संपर्क बढ़ा है। उधर ब्रिक्स के मौजूदा अध्यक्ष दक्षिण अफ्रीका ने कुछ समय पहले ब्रिक्स संबंधी एक बैठक में पाकिस्तान को भी आमंत्रित किया था। चीन का हाथ तो हमेशा ही पाकिस्तान की पीठ पर रहता है। ऐसे ब्रिक्स के पांच मूल सदस्यों में से तीन का झुकाव इस समय पाकिस्तान के पक्ष में दिख रहा है। उधर जो छह नए सदस्य इस समूह में शामिल हुए हैं, उनमें से भी कई का साथ उसे मिल सकता है। उनमें सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और मिस्र शामिल हैं। इथियोपिया को भी इस पर कोई एतराज होगा, इसकी संभावना नहीं है। वैसे एतराज शायद ब्राजील और ईरान को भी नहीं हो। इसीलिए यह सवाल गंभीर है कि इस हाल में भारत का क्या रुख होगा? ब्रिक्स में परंपरा आम सहमति से निर्णय लेने की है। ऐसे में भारत की अकेली असहमति भी पाकिस्तान की सदस्यता रोक सकती है। मगर ऐसा करते हुए भारत के अलग-थलग पड़ने का अंदेशा है।

> 2030 के एजेंडे को ध्यान में रखते हुए भारत ने सतत विकास लक्ष्य में तेजी लाने के लिए जी-20 का 2023 एक्शन प्लान पेश किया। इसके लिए भारत ने स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक समानता, पर्यावरणीय स्थिरता सहित परस्पर जुड़े मुद्दों पर व्यापक कार्रवाई-उन्मुख दृष्टिकोण अपनाया। इस प्रगति को संचालित करने वाला एक प्रमुख क्षेत्र मजबूत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर है।

एक उज्ज्वल भविष्य की ओर दुनिया

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री, भारत

भारत द्वारा जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करने के आज 365 दिन पूरे हो गए हैं। यह वसुधैव कुटुंबकम, 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की भावना को प्रतिबिंबित करने, इसके लिए पुनः प्रतिबद्ध होने और इसे जीवंत बनाने का क्षण है। जब पिछले वर्ष भारत को यह जिम्मेदारी मिली थी, तब विश्व विभिन्न चुनौतियों से जूझ रहा था: कोविड-19 महामारी से उबरने का प्रयास, बढ़ते जलवायु खतरे, वित्तीय अस्थिरता व विकासशील देशों में ऋण संकट, जैसी चुनौतियां सामने थीं। इसके अलावा, कमजोर होता बहुपक्षवाद चुनौतियों को और गंभीर बना रहा था। विभिन्न देशों में परस्पर सहयोग की भावना में कमी आ गई थी और प्रभाव वैश्विक प्रगति पर पड़ रहा था।

जी-20 का अध्यक्ष बनने के बाद भारत ने दुनिया के सामने जीडीपी-केंद्रित सोच से आगे बढ़कर मानव केंद्रित प्रगति का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। दुनिया को याद दिलाने का प्रयास किया कि कौन सी चीजें हमें जोड़ती हैं। अंततः भारत के प्रयासों का परिणाम आया, वैश्विक संवाद आगे बढ़ा और कुछ देशों के सीमित हितों के ऊपर कई देशों की आकांक्षाओं को महत्व दिया गया। इसके लिए बहुपक्षवाद में मूलभूत सुधार की जरूरत थी। 'समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्रवाई-उन्मुख और निर्णायक', ये चार शब्द जी-20 के अध्यक्ष के रूप में भारत के दृष्टिकोण को परिभाषित करते हैं। नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन, जिसे सभी जी-20 सदस्यों द्वारा अपनाया गया है, इन सिद्धांतों पर कार्य करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

समावेश की भावना हमारी अध्यक्षता के केंद्र में रही। जी-20 में अफ्रीकी संघ को शामिल करने से 55 अफ्रीकी देशों को जगह मिली, जिससे जी-20 का विस्तार वैश्विक आबादी के 80 प्रतिशत तक पहुंच गया। भारत द्वारा अपनी तरह की पहली बैठक 'वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ समिट' ने बहुपक्षवाद की नई शुरुआत की। इस बैठक के दो संस्करण आयोजित हुए। भारत ग्लोबल साउथ के देशों की चिंताओं को मुख्यधारा में लाने में सफल रहा। इससे एक ऐसे युग की शुरुआत हुई है, जहां विकासशील देशों को ग्लोबल नैरेटिव की दिशा तय करने का अवसर प्राप्त होगा।

जी-20 में भारत के घरेलू दृष्टिकोण का भी प्रभाव दिखा। इस आयोजन ने लोक अध्यक्षता का रूप ले लिया, जो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने की दृष्टि से सही था। जन-भागीदारी कार्यक्रमों के जरिये जी-20 विश्व के 1.4 अरब नागरिकों तक पहुंचा और सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को भागीदार के रूप में शामिल किया गया। भारत ने सुनिश्चित किया कि मुख्य विषयों पर विश्व का ध्यान जी-20 के दायित्वों के अनुरूप विकास के व्यापक लक्ष्यों की ओर हो।

2030 के एजेंडे को ध्यान में रखते हुए भारत ने सतत विकास लक्ष्य में तेजी लाने के लिए जी-20 का 2023 एक्शन प्लान पेश किया। इसके लिए भारत ने स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक समानता, पर्यावरणीय स्थिरता सहित परस्पर जुड़े मुद्दों पर व्यापक कार्रवाई-उन्मुख दृष्टिकोण अपनाया। इस प्रगति को संचालित करने वाला एक प्रमुख क्षेत्र मजबूत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर है। इस मामले में आधार, यूपीआई और डिजिलॉकर जैसे डिजिटल नवाचार के क्रांतिकारी प्रभाव को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करने वाले भारत ने निर्णायक सिफारिशें कीं। कुल 16 देशों के 50 से अधिक डीपीआई को शामिल करने वाली रिपॉजिटरी, समावेशी विकास की शक्ति का लाभ उठाने के लिए ग्लोबल साउथ को डीपीआई का निर्माण करने, उसे अपनाने और व्यापक बनाने में मदद करेगी।

एक पृथ्वी की भावना के तहत हमने स्थायी और न्यायसंगत बदलाव लाने के महत्वाकांक्षी एवं समावेशी लक्ष्य पेश किए। घोषणा का 'ग्रीन डेवलपमेंट पैक्ट' एक व्यापक रोडमैप की रूपरेखा तैयार करके भुखमरी से निपटने और पृथ्वी की रक्षा के बीच चुनाव करने की चुनौतियों का समाधान करता है। इस रोडमैप में रोजगार एवं इकोसिस्टम एक-दूसरे के पूरक हैं, उपभोग जलवायु बदलाव के प्रति सचेत है और उत्पादन पृथ्वी के अनुकूल है। साथ ही, जी-20 घोषणा में 2030 तक अक्षय ऊर्जा की वैश्विक क्षमता को तीन गुना करने का आह्वान किया गया है। ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस की स्थापना और ग्रीन हाइड्रोजन अपनाने की दिशा में ठोस प्रयास के साथ स्वच्छ एवं हरित दुनिया बनाने संबंधी जी-20 की महत्वाकांक्षाएं निर्विवाद हैं। यह हमेशा से भारत का मूल्य रहा है और सतत विकास के लिए, जीवनशैली के माध्यम से, दुनिया हमारी सदियों पुरानी परंपराओं से लाभान्वित हो सकती है।

इसके अलावा घोषणापत्र में ग्लोबल नॉर्थ से पर्याप्त वित्तीय और तकनीकी मदद का अनुरोध किया गया है। पहली बार विकास के वित्त-पोषण से जुड़ी राशि में भारी बढ़ोतरी की जरूरत को स्वीकारा गया, जो अरबों से बढ़कर खरबों डॉलर हो गई है। जी-20 ने माना कि विकासशील देशों को 2030 तक अपने 'राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान' को पूरा करने के लिए 5.9 ट्रिलियन डॉलर की जरूरत है। इतने ज्यादा संसाधन की जरूरत को देखते हुए जी-20 ने बेहतर, विशाल और प्रभावकारी मल्टीलैटरल डेवलपमेंट बैंक के महत्व पर विशेष जोर दिया। साथ ही, भारत संयुक्त राष्ट्र में सुधार, विशेष रूप से सुरक्षा परिषद जैसे प्रमुख संस्थानों के पुनर्गठन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिससे और न्यायसंगत वैश्विक व्यवस्था सुनिश्चित होगी।

नई दिल्ली घोषणापत्र में महिला-पुरुष समानता को केंद्र में रखा गया, जिसकी परिणति अगले वर्ष महिलाओं के सशक्तीकरण पर एक विशेष कार्य समूह के गठन के रूप में होगी। भारत का महिला आरक्षण विधेयक 2023 महिलाओं के नेतृत्व में विकास के प्रति हमारी वचनबद्धता का प्रतीक है। नई दिल्ली घोषणापत्र इन प्रमुख प्राथमिकताओं में सहयोग सुनिश्चित करने की नई भावना का प्रतीक है। बड़े गर्व की बात है कि हमारी अध्यक्षता में जी-20 ने 87 परिणाम हासिल किए और 118 दस्तावेज अपनाए, जो अतीत की तुलना में बहुत अधिक है। आतंकवाद व नागरिकों की हत्या पूरी तरह अस्वीकार्य है और हमें शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाकर इससे निपटना चाहिए। शत्रुता से परे जाकर मानवतावाद को अपनाना होगा और दोहराना होगा कि यह युद्ध का युग नहीं है। मुझे बहुत खुशी है कि हमारी अध्यक्षता में भारत ने असाधारण उपलब्धियां हासिल कीं : बहुपक्षवाद में नई जान फूंकी, ग्लोबल साउथ की आवाज बुलंद की, विकास की हिमायत की और हर जगह महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए लड़ाई लड़ी।

अब जब हम जी-20 की अध्यक्षता ब्राजील को सौंप रहे हैं, तब हम इस विश्वास के साथ ऐसा कर रहे हैं कि समस्त लोगों, पृथ्वी, शांति और समृद्धि के लिए हमारे सामूहिक कदमों की गूंज आने वाले वर्षों में निरंतर सुनाई देती रहेगी।

जलवायु खतरों से निपटने में सबको राह दिखाए भारत

सुनीता नारायण, पर्यावरणविद और महानिदेशक,सीएसई

आज (30 नवंबर) से संयुक्त अरब अमीरात की अध्यक्षता में कॉप-28 सम्मेलन की शुरुआत हो रही है। यह प्रभावी जलवायु कार्रवाई की दिशा में एक नई राह तैयार करने का मंच बन सकता है, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र की कई रिपोर्टों में कहा गया है कि आठ साल पहले हुए पेरिस समझौते के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए उचित वैश्विक प्रयास नहीं हो रहे। 2015 में हुए पेरिस समझौते का मकसद ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को इस हद तक कम करना है, ताकि वैश्विक तापमान में वृद्धि औद्योगिक युग से पूर्व के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक न होने पाए।

कॉप-28 में दुनिया भर के नेता शामिल होंगे और यह सुखद है कि ये सभी इस सच से वाकिफ हैं कि जलवायु परिवर्तन एक वास्तविकता है और इस संदर्भ में बहुत जल्द हमें कदम उठाने चाहिए। 'सेंटर फॉर साइंस ऐंड एनवॉयर्नमेंट' की रिपोर्ट बताती हैकि इस साल जनवरी से सितंबर तक भारत में लगभग 86 प्रतिशत दिवसों में चरम मौसमी घटनाएं हुई। लगभग हर दिन कहीं न कहीं मौसम के चरम पर पहुंचने के कारण करीब 3,000 लोगों को जान गंवानी पड़ी। ऐसी घटनाओं से बचने का सवाल पूरी दुनिया के सामने है, और उम्मीद है कि कॉप-28 में इस पर सार्थक बातचीत होगी।

इस सम्मेलन में भारत की भूमिका दो तरह की होगी। पहली भूमिका यह कि हम विकसित देशों की कतार में शामिल होना चाहते हैं, और यह जरूरत सिर्फहमारी नहीं है, बल्कि उन तमाम देशों की भी है, जो विकास के पैमाने पर पीछे हैं। ऐसे में, कार्बन-उत्सर्जन से बचते हुए विकास-कार्यों को कैसे अंजाम दिया जाए, इसको लेकर भारत आधुनिक तकनीक व पूंजी की मांग को लेकर अपनी और अपने जैसे हरेक देश की तरफसे आवाज उठा सकता है।

दूसरी भूमिका, जिम्मेदारी की है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रदूषण-मुक्त विकास को हम तवज्जो देंगे। अनियोजित विकास का नुकसान हमने अभी-अभी देखा है। बेशक सिलक्यारा की सुरंग से सभी मजदूरों को सुरक्षित निकाल लिया गया, पर यह हादसा इसलिए हुआ, क्योंकि हम समझना ही नहीं चाहते कि हिमालय में विकास के लिए नया तरीका अपनाना होगा। बेशक, जहां विकास-कार्य होंगे, वहां प्रकृति को नुकसान हो सकता है, लेकिन स्थानीय पर्यावरण को ध्यान में रखकर ही इस दिशा में आगे बढ़ना होगा। अंधाधुंध विकास को अब रोकना ही होगा। भारत ऐसे विकास का खाका खींचकर विश्व समुदाय का नेतृत्व कर सकता है। विकास जरूर हो, लेकिन यह ऐसा होना चाहिए कि पृथ्वी को नुकसान न पहुंचे। अन्यथा, विकसित देशों की तरह हम भी पर्यावरण के नुकसान के लिए जिम्मेदार ठहराए जाएंगे। पूरे यूरोप को यदि एक मान लें, तो आज भारत विश्व में चौथा सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जक देश है, लेकिन चीन और भारत में उत्सर्जन की दर में भारी अंतर भी है। इसलिए, हमें ऐसे ईंधन इस्तेमाल करने होंगे, जिसमें हमें कम से कम कार्बन-उत्सर्जन करना पड़े।

इस लिहाज से कुछ कदम कारगर हो सकते हैं। मसलन, आज बड़े शहरों की ही नहीं, छोटे-छोटे कस्बों की सड़कें भी मोटरगाड़ियों से भरी नजर आती हैं। यदि हम सार्वजनिक परिवहन पर ध्यान दें, तो न सिर्फप्रदूषण कम होगा, बल्कि उत्सर्जन में भी कटौती कर सकेंगे। इसी तरह, नए घरों को इस तरह बनाना होगा कि वे ऊर्जा-किफायती हों और उनमें कम बिजली खपत में भी पर्याप्त रोशनी की गुंजाइश बनी रहे। ऊर्जा के क्षेत्र में भी नीतिगत बदलाव आवश्यक है। आज भी हम कोयले को जलाकर बिजली पैदा कर रहे हैं। अगर हम सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा या अक्षय ऊर्जा का अधिकाधिक इस्तेमाल करेंगे, तो जीवाश्म ईंधन पर हमारी निर्भरता घट सकती है। इसी तरह के रास्तों को हमें आगे बढ़ाना होगा, तभी हम विश्व समुदाय का नेतृत्व कर सकेंगे। ऐसा करना आवश्यक भी है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव हम पर खूब पड़ रहा है।

कॉप-28 सम्मेलन इस दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस सम्मेलन में शिरकत कर रहे हैं, इसलिए उम्मीद है कि यहां से कोई न कोई ठोस रास्ता जरूर निकलेगा।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

शहादत की कीमत और मुआवजों की प्रदर्शनी

विश्वनाथ सचदेव

मुश्किल से आधे मिनट का भी नहीं है वह वीडियो पर फेसबुक पर उसे देखकर मैं सहम-सा गया था। वीडियो आगरा का है। सत्ताईस वर्षीय कैप्टन शुभम गुप्ता का गृह स्थान है आगरा। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में आतंकवादियों से हुई मुठभेड़ में इस युवा जांबाज ने अपना सर्वोच्च बलिदान देकर अपनी माटी का कर्ज चुकाया था। उनका शव अभी पहुंचा नहीं था। पर उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री पहुंच गये थे। उनके साथ स्थानीय विधायक भी थे। घर में कोहराम मचा हुआ था। कैप्टन शुभम की बिलखती मां संभाले नहीं संभल रही थीं। और मंत्री जी उन्हें शासन की ओर से पचास लाख रुपये का चेक देने पर आमादा थे। वे चेक ही नहीं देना चाह रहे थे, दुखिया मां को चेक देते हुए एक फोटो भी खिंचवाना चाहते थे। मंत्री जी वह चेक मां के हाथ में देना चाहते थे और मां के हाथ मातम मना रहे थे। वे चेक दे पाये या नहीं, पता नहीं, पर मां को जबरन चेक देने की कोशिश का वह वीडियो अवश्य वायरल हो गया। बिलखती मां यह कहती ही रह गयी, 'मेरी प्रदर्शनी मत लगाओ, मुझे मेरा बेटा लौटा दो। इससे पूर्व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री यह घोषणा कर चुके थे कि शहीद कैप्टन को इस राशि के अलावा उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी दी जायेगी। शहीदों के बलिदान की कोई कीमत नहीं लगायी जा सकती, फिर भी जितनी कीमत लगे उतनी कम होती है। सवाल इस सहायता का नहीं है, सवाल उस असंवेदनशील प्रदर्शन का है जो इस सहायता के साथ जुड़ गया है। शव पहुंचने से पहले चेक पहुंचना क्यों जरूरी था? चेक को मां के हाथों में सौंपना भी मंत्री महोदय को क्यों जरूरी लगा? और क्यों ज़रूरी था उसका वीडियो बनाया जाना? मंत्री महोदय वीडियो क्यों बनवाना चाहते थे, पता नहीं, पर आज यह वीडियो कुल मिलाकर एक असहजता का प्रतीक बनकर रह गया है!

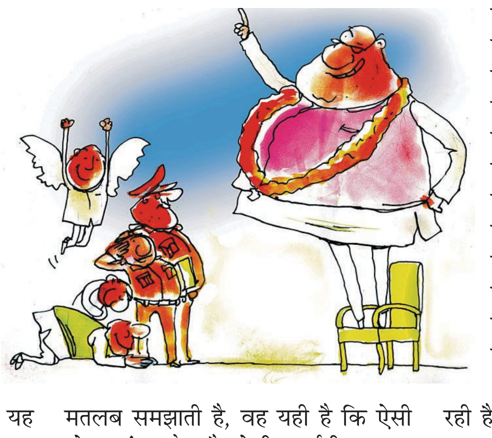

पता नहीं क्या तर्क है इसके पीछे, पर जब भी कोई ऐसी घटना घटती है जिसमें जान-माल की हानि होती है, सरकार मुआवजे की घोषणा तत्काल कर देती है। मुआवजा देना गलत नहीं है, पर मुआवजे की प्रदर्शनी लगाना किसी भी दृष्टि से सही नहीं कहा जा सकता।

आखिर ऐसी घोषणाओं का मतलब क्या है? आगरा की यह घटना इसका जो मतलब समझाती है, वह यही है कि ऐसी घोषणाएं करके और ऐसी प्रदर्शनी लगाकर सरकारें संवेदनशीलता का नहीं, संवेदनहीनता का परिचय देती हैं। कैप्टन शुभम गुप्ता के बलिदान पर हर भारतीय को नाज है, लेकिन उनके बलिदान का बदला चुकाने की यह प्रदर्शनी हर भारतीय को व्यथित करती है।

इस मुआवजे या सहायता के पीछे भावना सही भी हो सकती है, पर जो संवेदनहीनता इसमें दिखाई देती है वह अनुचित ही कहलायेगी। पूछा जाना चाहिए कि वह चेक बलिदानी सैनिक की मां को तभी देना क्यों जरूरी समझा गया? और मंत्रीजी को यह क्यों लगा कि इस अवसर का चित्र भी होना चाहिए? इन प्रश्नों का उत्तर यह हो सकता है कि शासन यह संदेश देना चाहता है कि वह बलिदानियों का सम्मान करता है। पर जो संवेदनहीनता इसमें झलक रही है, वह स्पष्ट बताती है कि कहीं न कहीं शासन इसे एक रस्म अदायगी के रूप में ही देखता है।

बरसों पुरानी एक घटना याद आ रही है। शायद ओडिशा विधानसभा की है यह घटना। एक आदिवासी युवती के साथ दुराचार के मामले पर चर्चा चल रही थी। मंत्री जी ने अपना वक्तव्य देते हुए पीड़िता को एक राशि दिए जाने की घोषणा की। जब मामले की गंभीरता को रेखांकित करते हुए विपक्ष के एक सदस्य ने कहा कि पीड़िता के साथ एक बार नहीं, दो बार दुष्कर्म हुआ है तो मंत्री महोदय ने सहज ही कह दिया, 'तो फिर हम मुआवजा दुगना कर देंगे।' स्पष्ट है मंत्री जी की दृष्टि में, और शासन की दृष्टि में भी, आदिवासी युवती के साथ दुष्कर्म की कीमत कुछ रुपये ही थी। उन्हें नहीं लगा कि मामला एक युवती के साथ दुराचार का नहीं, समूची नारी-शक्ति के अपमान का है और इस अपमान को रुपयों से नहीं नापा जा सकता। इस मामले में सवाल एक बीमार मानसिकता का भी था, जिसमें नारी की अस्मिता दांव पर लगी थी। मुझे दुराचार के मुआवजे की घोषणा करने वाले मंत्री महोदय और आगरा के घटनाक्रम में फोटो खिंचवाने की मनोवृत्ति वाले मंत्री की मानसिकता में कोई अंतर नहीं दिखाई दे रहा। कैप्टन शुभम की मां की पीड़ा की कल्पना करना आसान नहीं है। वह बार-बार कहती रही हैं, मेरी प्रदर्शनी मत लगाओ, और मंत्री महोदय चाह रहे हैं चेक देते हुए फोटो खींचा जाये। आखिर क्यों? कहां प्रचार कराना चाहते थे मंत्री महोदय? इस तरह की घटनाएं यह सोचने पर बाध्य करती हैं कि कहीं हमारी संवेदनशीलता कुंद तो नहीं होती जा रही? संवेदनशीलता का सीधा-सा रिश्ता मानवीय संवेदनाओं से है। सीमा पर, या आतंकवादियों से मुठभेड़ में शहीद होने वाले हमारे जवान किसी मुआवजे के लिए सर्वोच्च बलिदान नहीं देते।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:-
Near Tarun Adlabs
Station Road, Durg (C.G.)
Durg, Ph. 2330588, 9826660688

RAIPUR:-
Near Manju Mamta
Reaustaurant, M.G. Road
Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

8वीं की स्टूडेंट ने जीता कराते का नेशनल खिताब

बिलासपुर। बिलासपुर की 8वीं कक्षा की छात्रा काव्या कुशवाहा ने नेशनल कराते चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल हासिल कर शहर का नाम रोशन किया है। जिला और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन के बाद काव्या ने नेशनल चैंपियनशिप में 40 प्रतियोगियों में गोल्ड मेडल हासिल किया है। ट्विंकल पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाली कक्षा आठवीं की छात्रा काव्या कुशवाहा राष्ट्रीय कराते चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए नोएडा गई थी। काव्या ने अब तक जिला और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर अवॉर्ड हासिल किया था। इस बार उन्होंने राष्ट्रीय चैपियनशिप में 40 प्रतिभागियों को हराकर गोल्ड मेडल हासिल किया है। 13 साल की उम्र में काव्या की उपलब्धि से उसके माता-पिता और कोच काफी खुश हैं।

प्रश्न बैंक निर्माण कार्यशाला का हुआ आयोजन

गरियाबंद। कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशन व अपर कलेक्टर अविनाश भोई के मार्गदर्शन पर नोडल अधिकारी श्याम चंद्राकर व मनोज केला द्वारा दसवीं -बारहवीं बोर्ड परीक्षा हेतु प्रश्नबैंक निर्माण हेतु कार्यशाला का आयोजन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला गरियाबंद में किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अविनाश भोई ने कहा कि सभी बच्चों के लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के साथ साथ बोर्ड परीक्षा कि तैयारी को सुनिश्चित करना एक ऐसा लक्ष्य है जो विद्यार्थियों के सफलता को प्रदर्शित करता है। असफलता सफलता की प्रथम सीढ़ी है, हमें ऐसे प्रश्नपत्र का निर्माण करना चाहिए जिसे कमजोर विद्यार्थी भी आसानी से हल कर सके, साथ साथ उत्कृष्ट गरियाबंद का नाम माध्यमिक शिक्षा मंडल पर उत्कृष्ट स्थान बना सके। जिला मिशन समन्वयक के. एस. नायक ने कहा कि गरियाबंद जिले के दसवीं बारहवीं का बोर्ड का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत हो जिसके लिए सभी विषय शिक्षक की सहभागिता जरुरी है। हम सकारात्मक सोच के साथ कार्य करेंगे तो निश्चित ही सफलता प्राप्त होगी। सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में बच्चों के स्तर एवं आवश्यकता के अनुसार तभी बदलाव लाया जा सकता है। जब शिक्षक उसके प्रति सजग रहे, प्रत्येक विषय का एक नोडल शिक्षक होगा जो अन्य शिक्षक को विषय से संबंधित जानकारी प्रदान करेगा। जिले के 65 व्याख्याता का विषय विशेषज्ञ की कोर कमेटी का गठन किया गया है। जो मासिक, तिमाही, अर्द्धवार्षिक एवं प्री बोर्ड पर सतत कार्य करते रहेंगे, प्रश्नबैंक निर्माण करते समय वैकल्पिक, लघुत्तरीय, अति लघुत्तरीय एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का समावेश हो, शिक्षक भयमुक्त वातावरण का निर्माण कर अध्यापन करावे ताकि परीक्षा परिणाम अच्छा हो सके।

डाकमत पत्रों की गिनती पृथक रूप से आरओ के टेबल में होगी, प्रशिक्षकों ने दी तकनीकी जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। समय का विशेष ध्यान रखें, मतगणना तिथि 3 दिसम्बर को सुबह 7 बजे तक अपनी सीट तक मतगणना में संलग्ल अधिकारी-कर्मचारियों को पहुंच जाना चाहिए। उन्हें अपनी निर्धारित टेबल पर ही बैठना है। डाक मतपत्रों की गिनती सबसे पहले होगी। डाक मतपत्रों की गणना रिटर्निंग ऑफिसर करेंगे , जिनके सहयोग के लिऐ विशेष सहायक रिटर्निंग आफिसर होंगे,इसके लिए अलग टेबल होगा। डाक मतपत्रों की वैधता के बारे में उनका निर्णय ही मान्य होगा। इस कार्य के लिए नियुक्त गणना पर्यवेक्षक और सहायक उनकी सहायता करेंगे। डाक मतपत्रों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षकों ने यह कहते हुए डाक मतपत्रों की गिनती की संबंध में तकनीकी जानकारी साझा की। यह प्रशिक्षण कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में दिया गया।

प्रशिक्षकों ने बताया कि डाक मतपत्र के दो वर्गों में हैं ईटीपीबीएस अर्थात इलेक्ट्रॉनिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलेट और साधारण डाक मतपत्र। इन दोनों में एक ही प्रत्यक्ष अंतर होगा, ईटीपीबीएस पर अभ्यर्थी के चुनाव चिह्न अंकित नहीं होंगे पर दलीय सम्बद्धता (या निर्दलीय) का उल्लेख होगा। अन्य डाक मतपत्र पर चुनाव चिह्न होगा पर दलीय सम्बद्धता नहीं लिखी होगी। उन्होंने बताया कि पूर्व-गणना परीक्षण के बाद ईटीपीबीएस को भी सामान्य डाक मतपत्र की ही तरह हैण्डल करना है। सबसे पहले डाक मतपत्रों की गिनती ही प्रारंभ होगी। सामान्यत: एक निर्वाचन क्षेत्र में डाक मतों की गणना के लिए प्रत्येक 500 प्राप्त मतों के लिए एक टेबल आबंटित होगा।

प्रशिक्षण में जानकारी दी गई कि दोनों ही प्रकारों के डाकमतों के लिए तीन अनिवार्य अभिलेख होंगे, जिसमें पहला बाहरी लिफाफा बी (13सी) मतदाता की घोषणा (13ए); और 3) तथा मतपत्र का लिफाफ़ा ए (13बी) शामिल है। ईटीपीबीएस के लिए रिटर्निंग अधिकारी द्वारा गणना-पूर्व व्यवस्था की जायेगी। इसमें (एक एआरओ की देख-रेख में अधिकतम 10) मेजों पर लिफाफ़ों की स्केनिंग की व्यवस्था की जायेगी। ऐसे प्रत्येक मेज पर एक दल में क्यूआर कोड स्केनर के साथ एक सुपरवाईज़र और एक सहायक होंगे। सॉफ्टवेयर की मदद से प्रत्येक ईटीपीबीएस के बाहरी लिफाफ़े 13-सी के क्यूआर कोड को स्केन कर पोर्टल में अपलोड किया जायेगा।

प्रशिक्षण में बताया गया कि ईटीपीबीएस के लिए लिफाफों एवं मतपत्र के लिए कलर कोड लागू नहीं होता। मत के ख़ारिज होने के अन्य कारण ईटीपीबीएस पर भी यथावत लागू होंगे। डाक मतपत्र पर मतांकन के लिए कोई विशेष चिन्ह नहीं है। मतदाता द्वारा किसी भी चिन्ह का उपयोग अपनी मतांकन के लिए किया जा सकता है। इस संबंध में निर्देश केवल यह हैं कि निर्वाचक का चयन स्पष्ट परिलक्षित होता हो। किसी तकनीकी कारण से (घोषणा पत्र में त्रुटि, 13-सी में घोषणा पत्र न मिलने, निर्धारित रंग का लिफाफ़ा न होने आदि)गणना में शामिल न किए गये सभी डाक मतवाले लिफाफ़े गणना स्थल से हटा लिये जायेंगे और उन्हें एक अलग पैकेट में सुसंगत टीप के साथ सीलबंद किया जायेगा। शेष लिफाफ़ों के अन्यथा वैध पाये जाने पर सभी 13-सी वाले लिफाफ़े अपने 13-ए के साथ संलग्न करते हुए (गोपनीयता को दृष्टिगत रखते हुए) गणना स्थल से हटा दिए जायेंगे। इन्हें भी एक अलग पैकेट में सुसंगत टीप के साथ सीलबंद किया जायेगा। इसके बाद ही सभी 13-बी (भीतरी, छोटा लिफाफ़ा) खोला जायेगा और मतपत्र बाहर निकाला जायेगा। डाक मतपत्र (चाहे ईटीपीबी हो या सामान्य) उस स्थिति में अविधिमान्य होंगे जब मतपत्र (ईटीपीबी को छोड़कर) पर आरओ के हस्ताक्षर की मुहर न लगी हो। एक से अधिक अभ्यर्थियों के नाम के समक्ष कोई निशान लगा हो। यदि एक से अधिक अभ्यर्थियों के नाम के समक्ष अलग-अलग निशान हो तब भी उसे अविधिमान्य किया जाएगा। किसी एक अभ्यर्थी के नाम के समक्ष लगा निशान दूसरे अभ्यर्थी के खाने तक इस प्रकार चला गया हो कि उसके चयन का निर्धारण कर सकना संभव न हो, या किसी भी अभ्यर्थी के नाम के समक्ष कोई निशान न लगा हो। मतपत्र पर किसी निशान से मतदाता की पहचान प्रकट होती हो। प्रशिक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ अबिनाश मिश्रा, रोजगार अधिकारी केदार पटेल, एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित हुए उपयोगिताएं जोन के बीएसपी कर्मचारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में उपयोगिताएँ जोन से उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को 28 नवम्बर 2023 को कर्म शिरोमणि एवं पाली शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

भिलाई इस्पात संयंत्र के ऐसे कार्मिक, जो अपने कार्यक्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों से ही सुरक्षा के सम्पूर्ण मापदंडों का पालन करते हुए कंपनी के लक्ष्यों को पूर्ण करने के लिए अपने कार्य में नवीनता का प्रदर्शन करते है, उन्हें प्रबंधन द्वारा शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक (उपयोगिताएँ) ए के जोशी ने की।

इसी संदर्भ में आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन के लिए कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सितम्बर माह 2023 के लिए, मास्टर आपरेटर (जल प्रबंधन) जेम्स जार्ज तथा पाली शिरोमणि पुरस्कार से जुलाई से सितम्बर 2023 तिमाही के लिए सहायक प्रबंधक (ओ. पी. 2) गौरव चैधरी को सम्मानित किया गया।

महाप्रबंधक (पीएलईएम) एम. वेंकटेश बाबू, महाप्रबंधक (जल प्रबंधन) जे पी सिंह, महाप्रबंधक (प्रोपेन प्लांट) आर पी अहिरवार, महाप्रबंधक (सीएएस एवं सीडब्ल्यूपी) सुमन्ता भट्टाचार्जी तथा सहायक महाप्रबंधक (ओ. पी. 2) शक्ति कुमार मानिकपुरी ने पुरस्कार विजेताओं को प्रवीणता प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह और कर्मचारी के जीवन साथी के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान करते हुए पुरस्कार विजेताओं के कार्यस्थल में योगदान एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक (कार्मिक- शक्ति एवं विद्युत) गिरीश कुमार मढ़रिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर पुरस्कृत कार्मिकगणों ने भी अपने अनुभव को साझा किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्मिकों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ कार्यक्षेत्र में नवीनता, संसाधनों का बेहतर उपयोग एवं उच्चतम स्तर के सुरक्षा मानकों को बनाये रखते हुए कर्मठ कर्मचारियों को प्रेरित करना तथा उन्हें सम्मानित करना है।

मछली पकड़ने के जाल में फंसा 8 फीट का अजगर, किया गया रेस्क्यू

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले के रूमगरा नहर से 8 फीट के अजगर को रेस्क्यू किया गया है। हसदेव नदी के रूमगरा नहर में पिछले 3 दिनों से एक विशालकाय अजगर मछली के जाल में फंसकर जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा था। फिलहाल उसे रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, हसदेव नदी के रूमगरा नहर में मछुआरों ने जाल डालकर रखा था। इसमें 3 दिन पहले एक अजगर फंस गया। तब से वो लगातार जाल से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था, लेकिन बाहर नहीं आ पा रहा था। इधर अजगर के फंसने की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। मछुआरे उसे बचाना तो चाहते थे, लेकिन वो बार-बार जाल समेत पानी के अंदर चला जा रहा था, ऐसे में उन्हें डर था कि वे अगर अंदर जाकर अजगर को निकालने की कोशिश करते हैं और वो उन्हें जकड़ लेता है, तो उनका बचना नामुमकिन हो जाएगा।

इसके बाद लोगों ने वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम के प्रमुख जितेंद्र सारथी को घटना की सूचना दी। थोड़ी ही देर के बाद जितेंद्र सारथी रूमगरा नहर पहुंचे। लोगों ने उन्हें बताया कि अजगर नहर के एक किनारे लगे मछली के जाल में फंसा हुआ है।

यूथ हॉस्टल्स के सदस्यों ने किल्लेवाड़ी पहाड़ी के जोखिम भरे रास्तों से पूरी की ट्रैकिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया दुर्ग-भिलाई इकाई एवं धमतरी इकाई का एक दिवसीय संयुक्त ट्रेकिंग सह प्रशिक्षण शिविर किल्लेवाड़ी पहाड़ी महामाया दल्लीराजहरा क्षेत्र में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण शिविर में 110 सदस्यों ने अपनी सहभागिता दी। संस्था के दुर्ग-भिलाई इकाई प्रेसीडेंट ऋषिकांत तिवारी ने बताया कि भिलाई से 65 सदस्यों का समूह गंगामैया मंदिर झलमला और रानीमाई मंदिर मुल्लेगुड़ा होते हुए महामाया पहुँचे।

रानीमाई घोठिया मार्ग में हरे भरे पेड़ और घने जंगल देखकर सदस्य अत्यन्त रोमांचित हुए। चेयरमेन के. सुब्रमण्यम ने बताया कि आधार शिविर महामाया मन्दिर में सदस्यों को ट्रैकिंग विषयक आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। स्थानीय चार ग्रामीण गाईड के कुशल मार्गदर्शन में सदस्य भौतिकवादी दिनचर्या से मुक्त प्रकृतिस्थ होकर किल्लेवाड़ी मंदिर पहाड़ी में लगभग छह किमी ट्रेकिंग किए। भिलाई इकाई के कोषाध्यक्ष पंकज मेहता ने बताया कि स्थानीय स्तर पर एक दिवसीय ट्रैकिंग के लिए किल्लेवाड़ी मंदिर पहाड़ी एक बहुत खूबसूरत जगह है। जहाँ एक ओर ऊँची पहाड़ी और बाँस के घने जंगल हैं तो दूसरी ओर नीचे बोइरडीह बाँध की विशाल जलराशि मन मोह लेती है। पहाड़ी की चोटी से चारों ओर का विहंगम दृश्य देखकर सदस्य अत्यन्त प्रसन्न हुए। सचिव सुबोध देवाँगन ने बताया कि हमारे आसपास किल्लेवाड़ी पहाड़ी महामाया ट्रैकिंग और प्रकृति पर्यावरण अध्ययन के लिए एक आदर्श उपयुक्त स्थान है। सभी आयुवर्ग के स्त्री, पुरुष व बच्चों ने परस्पर सहयोग सम्बल देते ट्रैकिंग पूरी की। अनेक जगह मार्ग बहुत ही दुर्गम और जोखिम भरा रहा। इस दरम्यान कोटेश्वर राव की टीम ने चट्टानों पर रैफ्लिंग का भी हैरतअंगेज प्रदर्शन किया। ट्रेकिंग शिविर के अंत में कैंप फायर के दौरान सदस्यों द्वारा ट्रैकिंग के अपने अनुभव साझा किए गए। यूथ हॉस्टल के पदाधिकारियों ने संगठन के मूल उद्देश्य एवं नियमित गतिविधियों की जानकारी दी गई।

ट्रेकिंग शिविर में जगदीशराम दिल्लीवार, डॉ. जयप्रकाश साव, भारती साव, आशुतोष चावरे, डॉ. ओमकुमारी देवांगन, रमेश साहू, पुष्पा साहू, मोहन देशपांडे, मृदुला देशपांडे, नवीन कुमार सिंह, सुधीर अवधिया, संजय साहू, सुलेखा साहू, मनोज यादव, ममता गुप्ता , त्रिलोक चन्द्राकर, अलका ठाकुर, ज्योतिप्रकाश साहू, नूतन साहू, मिनीराज, राजू, शिल्पी सरकार, श्रावणी सेनगुप्ता, अमित ब्रह्मभट्ट, बी. समीर, पुष्पा, मृणाल, विभूति साहू, के. स्तुति, ललिता साहू, जयशंकर शर्मा, हरदेव सिंह गिल, मंजीत कौर गिल, ज्योत्स्ना राव , ज्योति राव सहित अन्य सदस्यों ने अपनी सहभागिता दी।

मिनी महारानी अस्पताल के रूप में तीनों शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को करें विकसित - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने मिनी महारानी जिला अस्पताल के रूप में शहर के तीनों धरमपुरा, गीदम रोड़ और कुम्हारपारा स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को विकसित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में बाह्य रोगी कक्ष में अधिक से अधिक मरीजों का उपचार करने के निर्देश दिए है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कहा कि स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध संस्थागत प्रसव सुविधा का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक गर्भवती महिलाओं का संस्थागत प्रसव करवाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने बुधवार को धरमपुरा और कुम्हारपारा स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने जिला अस्पताल में मरीजों की बढ़ती संख्या को कम करने हेतु स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को शहर के तीनों शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सभी प्रकार की सुविधाएं देने के साथ साथ विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दिए है। कलेक्टर को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लेने के दौरान नर्स ने बताया कि पूर्व में इस संस्था में ओपीडी की दर प्रतिदिन लगभग 25 हुआ करती थी, वो बढ़कर अब 65-70 के बीच हो गया है। संस्था में मिल रहे स्वास्थ्य सुविधाओं का अन्य लोगों को जानकारी होने पर यह संख्या 100 से भी अधिक हो जाएगी। सेंटर में मेल और फिमेल के लिए 5-5 बिस्तरों का वार्ड भी बनाया गया है, जिसमें कई लागों ने स्वास्थ्य लाभ लिया है।

निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी के बच्चों व माताओं का स्वास्थ्य जांच करवाने हेतु पहुंचे मितानिन ने बताया कि उक्त संस्था दूसरे के भवन में संचालित थी, अब स्वयं के भवन पर संचालित है जिससे सभी प्रकार की सुविधाएं व्यवस्थित रूप से उपलब्ध है। कलेक्टर ने स्वास्थ केंद्र में दवाइयों की उपलब्धता, बिस्तरों की व्यवस्था सहित चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की उपस्थिति का भी जायजा लिया।

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान

पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है

रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361

CONTACT

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

डॉक्टर-मरीजों को रेडिएशन से बचाएगा 'एगनेस्ट'

रायपुर। डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा) स्थित एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट के कैथ लैब में कार्यरत डॉक्टर एवं पूरी टीम को रेडिएशन(विकिरणों) से सुरक्षा प्रदान करने के लिए रेडिएशन प्रोटेक्शन सिस्टम लगाया है। एगनेस्ट नामक यह सुरक्षा कवच कैथ लैब में कार्यरत मेडिकल टीम को एक्स रे मशीन से निकलने वाली हानिकारक विकिरणों से सुरक्षा प्रदान करता है। एसीआई के कार्डियोलॉजी विभाग एवं कार्डियोलॉजिक्स कंपनी के सहयोग से इसे कैथ लैब में लगाया गया है।

डॉक्टर, सहयोगी स्टाफ एवं मरीज को भी देगा सुरक्षा

विभागाध्यक्ष कार्डियोलॉजी विभाग डॉ. स्मित श्रीवास्तव ने रेडिएशन प्रोटेक्शन सिस्टम (विकिरण सुरक्षा प्रणाली) के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि एगनेस्ट, कैथलैब में कार्यरत पूरी मेडिकल टीम को यहां तक कि प्रोसीजर टेबल में लेटे मरीज को हानिकारक एक्स रे विकिरणों से सुरक्षा प्रदान करेगी। यह सुरक्षा कवच कार्डियोलॉजी प्रोसीजर किये जाने वाले टेबल के साथ चारों तरफसे अटैच है। यह कार्बन माइक्रो फाइबर बेस तथा रेडिएशन एब्जॉर्बिंग मेटलिक एलॉय (बिस्मथ और एंटीमनी धातु) से बना है जो एक्स रे मशीन से निकलने वाले हानिकारक विकिरणों को सोख लेते हैं। इन विकिरणों से यदि बचाव न किया जाये तो भविष्य में कैंसर, मोतियाबिंद एवं अन्य बीमारियां होने की संभावना रहती है।

डॉ. स्मित श्रीवास्तव के अनुसार, कैथलैब में पूरी प्रक्रिया एक्स रे मशीन की सहायता से की जाती है (एक्स रे गाइडेड प्रोसीजर)। कैथ लैब में प्रतिदिन कार्डियक इंटरवेंशनल प्रक्रिया होती है। पूरी टीम लम्बे समय तक यहां रहती है। ऐसे में पूरी टीम विकिरण के संपर्क में आती है। एगनेस्ट एक व्यापक, स्कैटर रेडिएशन (फैलने वाले विकिरण) सुरक्षा प्रणाली है जो पूरी तरह से आधुनिक कैथ लैब में रेडिएशन के फैलाव एवं बिखराव को रोकने में मदद करती है। यह कैथ लैब में कार्य करने वाली मेडिकल टीम को सुरक्षा प्रदान करते हुए एक्स रे विकिरणों से होने वाले दुष्प्रभाव को कम करती है। इसे सीआर्म एक्स रे मशीन की गति एवं दिशा के अनुसार इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह रोगी की दिशा के अनुसार सरलता से इधर उधर घूम सकता है। यह 91 प्रतिशत रेडिएशन से सुरक्षा देता है।

सीएनआई डे पर सालेम इंग्लिश स्कूल के बच्चों ने एमएम फन सिटी में की मस्ती

रायपुर। सालेम इंग्लिश स्कूल में बुधवार को सीएनआई डे मनाया गया। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन केके सिंग, पल्लवी मिंज तथा आशिमा वानी ने किया।

कार्यक्रम के चीफ गेस्ट के रूप मे रेवरेंट सुनील कुमार, राकेश सद्यलोमान तथा रेवरेंट जीवन मसीह उपस्थित रहे। सीएनआई डे के उपलक्ष्य मे एक दिवसीय पिकनिक का आयोजन किया गया। कक्षा पांचवी से बारहवीं तक के बच्चों को एमएम फ्न सिटी ले जाया गया। वहां पर तरह तरह के आकर्षक खेलने व स्विमिंग की व्यवस्था थी। बच्चों ने स्विमिंग पूल, राइट, रैन डांस का लुत्फ उठाया। पंजाबी गानों की धुन पर बच्चो ने जमकर डांस किया।

शाला के शिक्षक राज़िक हुसैन, सुनील मालवीय, अखिलेश नंद, नवीन दास तथा शिक्षिकाओ मे मधु मसीह, आकांक्षा नंद, अर्शिया कुरेशी, रुपाली यादव उपस्थित थीं। इस अवसर पर शाला की प्रभारी प्राचार्या रूपिका लॉरेंस शाला के छात्र छात्राओं के साथ उपस्थित थीं। उनके निर्देशन मे यह पूरा कार्यक्रम संपन्न हुआ।

छत्तीसगढ़ के किसान करेंगें लाल केले की खेती

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के टिश्यू कल्चर नर्सरी में तैयार की जा रही फसल

रायपुर। आपको बाजार में अभी पीला केला देखने को मिलता है। अब आने वाले दिनों लाल केला भी देखने को मिलेगा। छत्तीसगढ़ के किसान भी लाल केला की खेती कर पाएंगे। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के टिश्यू कल्चर लैब में लाल केला की फसल तैयार की जा रही है। प्रयोग के तौर पर 150 पौधे लगाए गए हैं। अगले दो महीने में पौधों पर फूल-फल आना शुरू हो जाएगा। लाल केला के कंद को लेकर नए पौधे तैयार किए जाएंगे।

लाल केला का छिलका लाल रंग का रहेगा, अंदर का फल पीला रंग का रहेगा। लाल केला में दूसरे केला की अपेक्षा विटामिन ए की मात्रा ज्यादा पाई जाती है, जिसके कारण केले का गूदा पीला रंग का होता है। इसके अलावा लैब में जी-9 और उद्यम केले के पौधे बड़ी संख्या में तैयार है। दिसंबर के पहले सप्ताह से ही केला के पौधे लगाने का समय शुरू हो जाता है। सरकार की तरफ केला की खेती को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी का भी प्रावधान है।

टिश्यू कल्चर लैब के प्रभारी डॉ. एलएस वर्मा ने बताया कि पिछले वर्ष चेन्नई के किसानों से लाल केला के पौधे लाए थे। वहां के किसान पहले से लाल केला की खेती करते हैं। विश्वविद्यालय की नर्सरी में 150 लाल केला के पौधे लगाए गए हैं। केला लगाने का सबसे अच्छा समय दिसंबर और जून रहता है। जून में केला लगाने तक लाल केला के पौधे आम किसानों को भी मिलने लगेंगे।

11 महीने में तैयार होती है फसल

लाल केला की फसल 11 महीने में तैयार होती है। इसके पौधे की ऊंचाई लगभग 10 फीट होती है। इसमें 25 किलों तक फल लगते हैं। लाल केला का फल पूरी तरह से लाल रहेगा, अंदर गूदा में हल्का सा पीलापन रहता है। विटामिन ए की मात्रा ज्यादा होने के कारण विटामिन एक की कमी से होने वाले सभी रोगों के लिए फायदेमंद भी है।

जी-9 और उद्यम केले के भी छह लाख पौधे तैयार

कृषि विश्वविद्यालय की टिश्यू कल्चर लैब में जी-9 और उद्यम केला के छह लाख से ज्यादा पौधे तैयार है। जी-9 के लगभग साढ़े पांच लाख और उद्यम किस्म के 50 हजार पौधे नर्सरी में किसानों के लिए तैयार है। जी-9 पौधे की ऊंचाई कम होने के कारण इसकी मांग ज्यादा रहती है। जी-9 केला की ऊंचाई लगभग साढ़े छह फीट रहती है, जिसके कारण आंधी-तूफान में कोई नुकसान नहीं होता है। सातवें महीने में फूल लगते है, ढाई से तीन महीने में फल आ जाते हैं। इसे केमिलकल डालकर पकाया जाता है। वहीं उद्यम केला की फसल लगभग 14 महीने में तैयार होती है। लेकिन इसका केला बहुत स्वादिष्ट रहता है, ये पेड़ पर ही पक जाता है। इसके एक महीने तक ताजा रखा जा सकता है। एक पौधे पर कम से कम 30 किलो फल लगते हैं। उद्यम की ऊंचाई और ज्यादा समय लगने के कारण किसान ज्यादा पसंद नहीं करते हैं। इसलिए उद्यम के 50 हजार पौधे ही तैयार किए गए हैं।

मतगणना के बाद शुरू होगी आत्मानंद स्कूलों में संविदा शिक्षकों की भर्ती, 71 पदों के लिए आए पांच हजार से ज्यादा आवेदन

रायपुर। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में होने वाली संविदा शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया तीन दिसंबर के बाद शुरू होगी। जिले के 27 स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में 71 पदों पर संविदा शिक्षकों की भर्ती होनी है। शिक्षक भर्ती के लिए आवेदन मंगवाए जा चुके हैं। 71 पदों के लिए पांच हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। भर्ती के लिए चार अक्टूबर तक आवेदन मंगवाए गए थे। आचार संहिता के कारण भर्ती प्रक्रिया को रोक दिया गया था। जिले में खुल रहे पांच नए स्कूल सहित 22 पुराने स्कूलों में संविदा शिक्षकों की भर्ती होना है।

अधिकारियों ने बताया कि तीन दिसंबर को मतगणना है। इसके बाद प्रदेश में लगी आचार संहिता हट जाएगी। संविदा भर्ती के लिए आवेदन पहले से ही मंगवाए जा चुके हैं। आवेदनों का सत्यापन किया जाएगा। पात्र-अपात्र की सूची जारी कर अभ्यर्थियों से दावा-आपत्ति मंगवाई जाएगी। अभ्यर्थी दावा-आपत्ति मेल के जरिए कर सकेंगे। इसके बाद दस्तावेज सत्यापन के बाद चयन सूची जारी की जाएगी।

जानकारों ने बताया कि आत्मानंद स्कूलों में पिछले वर्ष जब भर्ती निकली थी तब लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर उम्मीदवारों का चयन हुआ था। इस वर्ष मई में आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में भर्ती निकली थी तब चयन के लिए इंटरव्यू और शैक्षणिक रिकार्ड को आधार बनाया गया था। लेकिन अभी निकली वैकेंसी में विभिन्न पदों पर चयन के लिए सिर्फ शैक्षणिक रिकार्ड को आधार बनाया गया है। विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए बीएड, डीएलएड व पात्रतानुसार टीईटी अनिवार्य है।

इन पदों के लिए निकली हैं वैकेंसी

आत्मानंद इंग्लिश स्कूलों में व्याख्याता, शिक्षक, सहायक शिक्षक समेत अन्य के लिए वैकेंसी निकली है। इसमें व्याख्याता भौतिकी, गणित व वाणिज्य के 11 पद हैं। प्रधान पाठक के 2 पद हैं। शिक्षक में अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान के कुल 24 पोस्ट हैं। व्यायाम शिक्षक, सहायक शिक्षक विज्ञान प्रयोगशाला और सहायक ग्रेड-3 के 1-1 पद यानी कुल तीन पोस्ट हैं। जबकि सहायक शिक्षक के सबसे ज्यादा 31 पद भरे जाएंगे।

घायल युवक की मदद करने बृजमोहन अग्रवाल ने रुकवाया अपना काफिला

रायपुर। कुशालपुर रिंग रोड पर बुधवार को एक युवक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। बाइक सवार युवक को ट्रक ने टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया।

इसी दौरान बृजमोहन अग्रवाल दुर्ग से रायपुर लौट रहे थे। उन्होंने अपना काफिला रुकवाया और तुरंत अपनी कार से उतरकर घायल की मदद को आगे आए। उन्होंने घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए अपने सुरक्षाकर्मियों को अपनी कार से घायल को अस्पताल पहुंचाने के निर्देश दिए। साथ ही पुलिस को भी घटना की सूचना दी।

हालांकि बृजमोहन अग्रवाल से सूचना मिलते ही आनन-फानन में पुलिसकर्मी और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई और घायल को अस्पताल के लिए रवाना किया। बृजमोहन अग्रवाल ने पुलिस और स्वाथ्यकर्मियो को घायल की हर संभव मदद के निर्देश दिए हैं।

मलेरियामुक्त छत्तीसगढ़ अभियान में 15.92 लाख लोगों की होगी जांच

बस्तर संभाग के सात जिलों में चलेगा अभियान

रायपुर। प्रदेश के अधिक मलेरिया संवेदी बस्तर संभाग के सभी सात जिलों में 28 नवम्बर से मलेरियामुक्त छत्तीसगढ़ अभियान संचालित किया जा रहा है। मलेरियामुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के नौंवे चरण में इन सभी जिलों में 15 लाख 92 हजार लोगों की मलेरिया जांच की जाएगी। यह अभियान 19 दिसम्बर तक चलेगा। इस दौरान मलेरिया की जाँच और इलाज के साथ ही इससे बचाव के लिये जन-जागरूकता संबंधी गतिविधियाँ भी चलाई जाएंगी। साथ ही लोगों को रोज मच्छरदानी के उपयोग के लिये प्रोत्साहित किया जाएगा। चिन्हांकित गांवों में घर-घर मच्छर लार्वा सर्वेक्षण कर मच्छर उत्पन्न करने वाले स्त्रोतों को नष्ट किया जाएगा एवं पानी के समुचित रखरखाव व मच्छर से सुरक्षा के लिए लोगों को समझाईश दी जाएगी। घर के आसपास स्वच्छता बनाए रखने और मच्छरों को पनपने से रोकने के उपाय भी लोगों को बताए जाएंगे।

राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार ने बताया कि राज्य में मलेरिया नियंत्रण के लिए 28 नवम्बर से 19 दिसम्बर तक मलेरियामुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का 9वां चरण संचालित किया जा रहा है। इस दौरान बस्तर संभाग के 30 विकासखंडों के 2297 गांवों में 15 लाख 92 हजार लोगों की मलेरिया जांच का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 1654 सर्वे दलों का गठन किया गया है। अभियान के दौरान 125 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और 598 उप स्वास्थ्य केंद्रों के अंतर्गत मलेरिया की जांच व उपचार के लिए दल सक्रिय रहेंगे। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम और मितानिनें घर-घर जाकर मलेरिया की जांच करेंगी।

राजधानी रायपुर पहुंचे भारत और आस्ट्रेलिया के खिलाड़ी इंडिया-इंडिया के नारों से गूंजा एयरपोर्ट

रायपुर। राजधानी के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में शुक्रवार को होने वाले टी-20 मुकाबले के लिए भारत और आस्ट्रेलिया के खिलाड़ी बुधवार शाम को रायपुर पहुंचे। इस दौरान एयरपोर्ट इंडिया...इंडिया...इंडिया के नारों से गूंज उठा। भारतीय टीम यहां जीतकर सीरीज पर कब्जा करने के इरादे से उतरेगी। अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को देखने के लिए फ्लाइट के समय से चार घंटे पहले ही एयरपोर्ट पर खेल प्रेमियों और उनके प्रशंसकों की भीड़ उमड़ी थी।

कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में भारतीय टीम के खिलाड़ी एक-एक करके बाहर निकले। इसके बाद सपोर्टिंग स्टाफ बाहर आया। इस दौरान लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। लोगों ने छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया के नारे लगाए। खिलाड़ियों ने भी हाथ उठाकर अपने फैंस का अभिवादन स्वीकार किया। टीम इंडिया के बाद आस्ट्रेलिया की टीम बाहर निकली। भीड़ ने विदेशी खिलाड़ियों का भी ताली बजाकर छत्तीसगढ़ की धरा पर स्वागत किया।

भारत के खिलाड़ियों के फैंस की दीवानगी भारत में ही नहीं, पूरे विश्व में देखने को मिलती है। रायपुर एयरपोर्ट पर में फैंस खिलाड़ियों का पोस्टर लेकर पहुंचे थे। यहां उनका स्वागत किया।

इस रास्ते से स्टेडियम जाएंगे खिलाड़ी

दोनों ही टीम के खिलाड़ियों को होटल कोर्टयार्ड मैरिएट से स्टेडियम तक लाने व ले जाने के लिए रोड मैप तैयार किया गया है। उन्हें होटल कोर्टयार्ड मैरिएट से नवा रायपुर प्रवेश मार्ग सेरीखेड़ी ओवरब्रिज होते हुए स्टेडियम टर्निंग से छोटा गोल चौक कयाबांधा टर्निंग से कोटरा भांठा चौक ग्राम सेंध चौक से होते हुए अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम ले जाया जाएगा।

दोनों ही टीमें करेंगी अभ्यास

भारतीय और आस्ट्रेलिया की टीमें गुरुवार को अभ्यास करेंगी। दोपहर 12 बजे से आस्ट्रेलिया की टीम अभ्यास करने पहुंचेगी। वहीं भारतीय टीम शाम चार बजे अभ्यास के लिए जाएगी। जिसके बाद दोनों ही टीमें शुक्रवार को आमने-सामने होंगी।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

आइस क्यूब या फिर ठंडा पानी, आपके चेहरे के लिए क्या है ज्यादा काम की चीज?

त्वचा की देखभाल कोई बच्चों का खेल नहीं है। लेकिन सीखी गई और आजीवन अपनाई गई कुछ तकनीकें आपकी त्वचा की देखभाल की दिनचर्या को बदलने और इसे अधिक स्वच्छ और पालन करने में आसान बनाने में आपकी मदद कर सकती हैं। अधिकांश लोग जागने के बाद अपनी त्वचा पर नल का ठंडा पानी चेहरे पर इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। लेकिन ऐक्ट्रेस भाग्यश्री जैसे कुछ अन्य लोगों का मानना है कि बर्फ रगड़ना बेहतर काम करता है। स्किन को ब्यूटीफुल और ग्लोइंग बनाने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते। कोई तरह-तरह के लेप का इस्तेमाल करता है तो कोई बर्फ के पानी का नुस्खा आजमाता है। जैसा कि गर्मियां आ गई हैं, ऐसे में तमाम लोग ठंडी चीज़ों का रुख करेंगे। कुछ लोग गर्मियों में स्किन को हेल्दी रखने के लिए बर्फ का भी इस्तेमाल करते हैं, जैसे बर्फ लगाना या बर्फ के पानी में मुंह डालना। चेहरे पर बर्फ का इस्तेमाल को आइस वॉटर फेशियल कहा जाता है।

आइस वॉटर फेशियल चेहरे के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। माना जाता है कि इसके इस्तेमाल से आपकी स्किन कूल रहती है और चेहरे पर ग्लो भी आता है। आइस वॉटर फेशियल से आपकी त्वचा के टॉक्सिन्स दूर होते हैं और तो और स्ट्रेस में भी कम होता है। हालांकि कई बार गलत तरीके से इसका इस्तेमाल करने की वजह से ये फेशियल स्किन को फायदे देने की बजाय नुकसान पहुंचा देता है। आइस वॉटर फेशियल करते वक्त आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, नहीं तो स्किन से जुड़ी ये समस्याएं गले पड़ सकती हैं।

आइस वॉटर फेशियल के नुकसान

स्किन इरिटेशन

बर्फ के पानी का इस्तेमाल करते वक्त अगर आइस क्यूब्स को डायरेक्ट फेस पर या स्किन पर लगाया जाता है तो इससे जलन की समस्या पैदा हो सकती है। इसलिए इन परेशानियों से बचने के लिए हमेशा बर्फ के टुकड़े को रुमाल या किसी कॉटन के कपड़े में बांधकर चेहरे पर लगाएं। चेहरे पर बर्फ लगाने के बाद इसे साफ पानी में अच्छी तरह जरूर धोएं।

बैक्टीरियल इन्फेक्शन का खतरा

अगर आप बिना फेस धोए डायरेक्ट आइस वॉटर फेशियल करती हैं तो अगली बार से ऐसा करने से बचें। क्योंकि इससे आपके चेहरे पर बैक्टीरियल इंफेक्शन हो सकता है। बर्फ को गंदे चेहरे पर रगड़ने से चेहरे पर मौजूद बैक्टीरिया और गंदगी स्किन के रोमछिद्रों में घुस जाती है। जिसकी वजह से आपको स्किन का इंफेक्शन हो सकता है।

सेंसेटिव स्किन के लिए नुकसानदेह

जिन लोगों की त्वचा बहुत सेंसेटिव होती है, उनके लिए आइस वॉटर फेशियल नुकसानदायक साबित हो सकता है। सेंसेटिव स्किन वाले लोगों को आइस क्यूब से स्किन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। ड्राई स्किन वाले लोगों को भी रोजाना आइस वॉटर से फेशियल करने से जलन की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

स्किन का ब्लड फ्लो होता है प्रभावित

आइस वॉटर फेशियल स्किन में ब्लड फ्लो को प्रभावित कर सकता है। यही वजह है कि आइस वॉटर फेशियल करते वक्त इन जरूरी बातों का हमेशा ध्यान रखा जाना चाहिए। अगर आपको पहले ही स्किन से जुड़ी कोई समस्या या बीमारी है तो बिना डॉक्टर के परामर्श के आइस वॉटर फेशियल करने से बचें।

बदन पर सितारे लपेटे हुए मलाइका अरोड़ा ने कराया हॉट फोटोशूट

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने बेशक एक्टिंग की दुनिया में खुद को साबित न कर पाई हो, लेकिन उन्होंने हर आइटम सॉन्ग में खूब कमाल जरूर दिखाया है। मलाइका अपने लुक्स, फिटनेस और निजी जिंदगी जैसी तमाम चीजों के कारण अक्सर ही चर्चा में रहती हैं। खासतौर पर उनकी हॉटनेस ने दुनियाभर के लोगों को उनका दीवाना बनाया है। ऐसे में एक्ट्रेस का हर नया अंदाज सोशल मीडिया पर वायरल हो जाता है।

सोशल मीडिया पर मलाइका अरोड़ा खूब एक्टिव रहती हैं। वह फैंस के साथ अपनी हर अपडेट साझा करती हैं। वहीं उनके अलग-अलग लुक्स भी लोगों को दीवाना बना देते हैं। एक बार फिर उन्होंने अपने हॉट लुक को शेयर करके इंटरनेट का पारा हाई कर दिया है। एक्ट्रेस की फोटोज तेजी से वायरल हो रही हैं। मलाइका अरोड़ा ने अमित अग्रवाल का बोल्ड आउटफिट कैरी किया है। एक्ट्रेस ने पैरेट ग्रीन कलर का श्रृग पहना है, जो आगे से ओपन है। वहीं श्रृग के अंदर एक्ट्रेस ने कुछ नहीं पहना है। इसी के साथ उन्होंने बड़े सितारों से बना एक स्कर्ट कैरी किया है। एक्ट्रेस ने अपना लुक कलर फुल ओपन हेयर के साथ पूरा किया है। मलाइका की इन अदाओं को देख अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता कि एक्ट्रेस 49 साल की हो चुकी हैं और एक बेटे की मां हैं। आज भी मलाइका अपनी खूबसूरती और हॉटनेस से किसी भी एक्ट्रेस को मात दे सकती हैं। साथ ही उन्होंने अपनी फिटनेस का भी पूरा ध्यान रखा है।

सेहत के लिए अच्छा है योग, लेकिन इसे करते समय बरतनी चाहिए ये सावधानियां वरना हो सकता है नुकसान

योग को सेहत के लिए हमेशा ही अच्छा और लाभदायक माना गया है। योग करने से केवल फिजिकल नहीं बल्कि मेंटल हेल्थ भी इंप्रूव होती है और शारीरिक क्षमताएं बेहतर होती हैं। इसलिए योग भारत के साथ साथ अब दुनिया भर में लोकप्रिय हो गया है। आप योग करते हैं, ये अच्छी बात है लेकिन योग करने के भी कुछ खास नियम हैं जिनका पालन करना जरूरी कहलाता है। कई बार गलत तरह से किया गया योग सेहत के लिए नुकसानदेय साबित होता है। इसलिए जरूरी है कि योग करते समय इसके कुछ नियमों का सही से पालन किया जाए। चलिए जानते हैं कि योग करते समय किन किन सावधानियों का पालन करना चाहिए।

योग करते समय इन बातों का रखें खास ध्यान

योग करते समय टाइम का खास ध्यान रखना चाहिए। योग करने का सही समय सुबह का समय है। कुछ लोग इसे दोपहर या रात के समय करते हैं लेकिन दोपहर और रात को योग करना गलत होता है। दरअसल सुबह के समय शरीर रिलेक्स होता है और पेट भी हल्का होता है। इसलिए सुबह के समय योग करना सही है।

योग करते समय कुछ लोग पानी पीते रहते हैं। ये गलत है, योग करते समय पानी नहीं पीना चाहिए बल्कि योग के पंद्रह मिनट बाद पानी पीना चाहिए। दरअसल योग करते समय शरीर में जब ऊष्मा का स्तर बढ़ता है तो इस दौरान पानी पीने से ऊष्मा का स्तर गिर जाता है और शरीर को नुकसान होता है। इसलिए योग करते समय पानी पीना गलत है।

योग का असर एक दिन में नहीं होता है। योग करते समय इस बात को ध्यान रखें कि इसका असर कुछ दिन बाद होता है। इसलिए धैर्य रखें और योग करते रहें।

योग करते समय इस पर पूरा फोकस करना चाहिए। अगर आप योग करते समय दिमाग को पूरी तरह फोकस नहीं करेंगे तो दिमाग और एकाग्रता को इसका लाभ नहीं मिलेगा। अगर योग कर रहे हैं तो चेतना के साथ करें और पूरे मन और उत्साह के साथ करें। इससे आपको योग का जल्दी लाभ मिलेगा।

मैंने अब तक अपने करियर में जो भी किया है, कड़क सिंह में उससे कुछ अलग है: संजना

एक्ट्रेस संजना सांघी, जो अगली बार पंकज त्रिपाठी स्टारर फिल्म कड़क सिंह में नजर आएंगी, ने अपने किरदार के बारे में खुलासा करते हुए बताया कि वह खुद में अपने किरदार साक्षी को कैसे देखती हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक अनिरुद्ध रॉय चौधरी द्वारा निर्देशित, पंकज को एके श्रीवास्तव के रूप में देखा जाएगा, जो भूलने की बीमारी से पीड़ित हैं। वह अपनी याददाश्त वापस पाने की कोशिश करते समय झूठ के जाल में फंस जाता है।

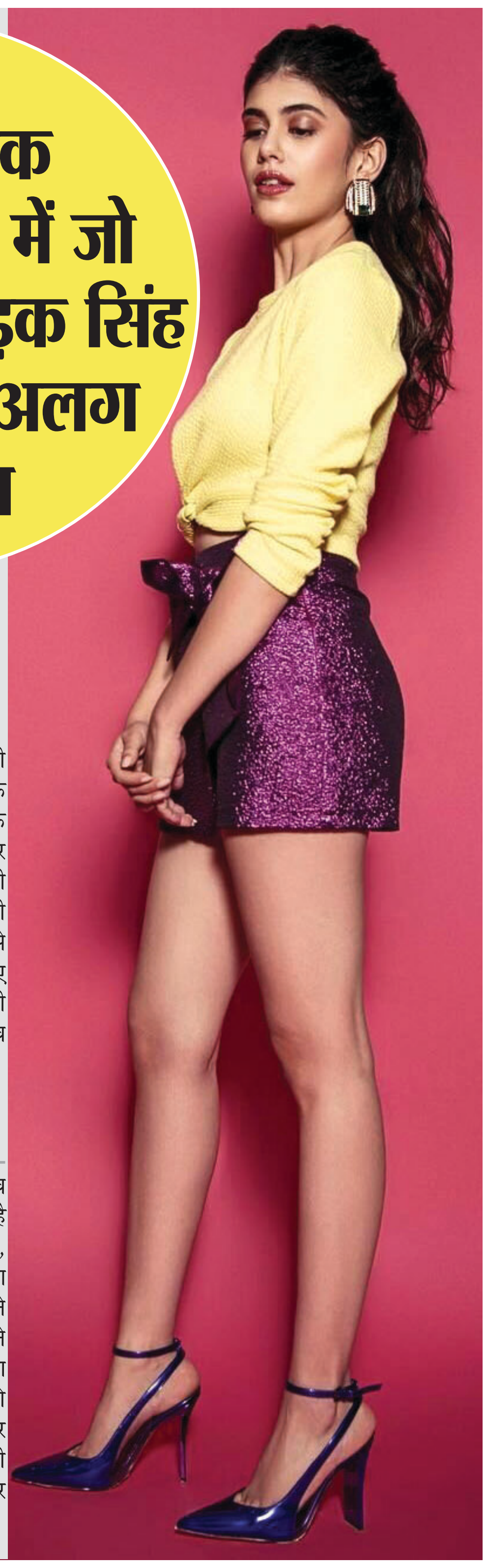

इस बारे में बात करते हुए कि यह भूमिका अब तक निभाई गई सभी भूमिकाओं से कितनी अलग है, 27 वर्षीय एक्ट्रेस ने कहा, वह एक प्यारी बहन, बेटी और जिम्मेदार बच्ची है, जो जिंदगी के हालातों के चलते अपनी उम्र से बड़ी हो गई है। कड़क सिंह में साक्षी का किरदार एक प्रमुख अभिनेता के रूप में मेरे करियर में किए गए किसी भी किरदार से अलग है। अभी मेरे लिए शुरुआती दिन हैं, लेकिन मैं अपनी हर पसंद के साथ इसके लिए प्रयास करती हूं। मैं अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली महसूस करती हूं, जब फिल्म निर्माता किसी किरदार के लिए मुझ पर भरोसा करते हैं। मैं अपने उस हिस्से का इस्तेमाल करने की कोशिश करती हूं जिसे मैंने पहले कभी नहीं खोजा है क्योंकि मुझे सच में लगता है कि अगर ऐसा होता है, तो दर्शक भी इसे महसूस करेंगे।

असल जिंदगी में आपका किरदार आपसे कितना अलग या करीब है?

संजना ने शेयर किया-जहां तक सतही स्तर पर साक्षी और मेरे बीच समानता की बात है तो कोई भी समानता नहीं है। लेकिन मुझे लगता है कि उसका भावनात्मक मूल, अपने परिवार के प्रति उसकी प्रतिबद्धता, उसकी जिम्मेदारी की भावना, उसकी भेद्यता और उसकी संवेदनशीलता वे सभी चीजें हैं जो मुझे वास्तव में हमारे बीच आम लगती हैं। उन्होंने कहा, ये गुण मेरे निर्माण के लिए एक सुंदर नींव बनाते हैं। मैं अपने अंदर साक्षी देखती हूं। संजना और साक्षी परस्पर जुड़ी हुई हैं। यह हमेशा दोनों तरह से चलता है। मैं हमेशा कहती हूं कि आप जैसे हैं और जो किरदार आप निभाते हैं, वह शादी की तरह है। हमेशा एक-दूसरे पर एक-दूसरे का प्रतिबिंब दिखता है। फिल्म में पंकज, संजना, पार्वती थिरुवोथु, जया अहसन, परेश पाहुजा और वरुण बुद्धदेव जैसे कलाकार एक साथ नजर आएंगे। इसका प्रीमियर 8 दिसंबर को जी5 पर होगा।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

अब तक 01 लाख 18 हजार मेट्रिक टन से अधिक धान की हुई खरीद

बालोद। बालोद जिले में खरीफविपणन वर्ष 2023-24 के अंतर्गत धान खरीदी का कार्य निरंतर जारी है। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 01 लाख 49 हजार 194 किसानों ने धान विक्रय हेतु पंजीयन कराया है। जिसमें से अब तक 33 हजार 934 किसानों द्वारा कुल 01 लाख 18 हजार 996 मेट्रिक टन धान विक्रय किया गया है। जिसकी कुल राशि 261 करोड़ 65 लाख रूपए है। उन्होंने बताया कि अब तक 41 हजार 437 मेट्रिक टन धान हेतु डीओ जारी किया गया है, जिसमें से 29 हजार 407 मेट्रिक टन का धान उठाव कर लिया गया है। उपार्जन केन्द्रों में 89 हजार 589 मेट्रिक टन धान शेष है। उन्होंने बताया कि आगमी खरीदी दिवस हेतु 3618 किसानों के लिए टोकन जारी किया गया है, जिसमें कुल 14 हजार 713 मेट्रिक टन धान की खरीदी की जाएगी।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पालीटेक्निक एवं आई.टी.आई. आदि के संस्था प्रमुख, प्राचार्य, छात्रवृत्ति प्रभारी एवं उनमें अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों जो विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते है, उनको सुचित किया जाता है कि शिक्षा सत्र 2023-24 हेतु ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति कक्षा 12वीं से उच्चतर के पंजीयन स्वीकृति एवं वितरण का कार्य वेबसाइट पर ऑनलाइन किया गया है। इसके साथ ही विद्यार्थी द्वारा ऑनलाईन आवेदन हेतु (नवीन एवं नवीनीकरण) 28 नवम्बर से 30 दिसम्बर 2023 तक, ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक करने हेतु 15 दिसम्बर 2023 से 20 जनवरी 2024 तक एवं सैंक्शन ऑर्डर लॉक करने हेतु 15 दिसम्बर 2023 से 24 जनवरी 2024 तकनिर्धारित तिथियों के पश्चात् शिक्षा सत्र 2023-24 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति ऑनलाइन आवेदन हेतु पोर्टल बंद कर दिया जायेगा एवं ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक तथा सेक्शन आर्डर लॉक करने का अवसर भी प्रदान नहीं किया जायेगा। उक्त तिथि तक कार्यवाही पूर्ण नहीं करने पर यदि संबंधित विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते हैं तो इसके लिए संस्था प्रमुख स्वत: जिम्मेदार होंगे।

कलेक्टर ने राजनीतिक दलों को डाकमत पत्र और मतगणना के संबंध में जानकारी दी

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ. फरिहा आलम सिद्दीकी ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजनीतिक दलों की बैठक ली। बैठक में डॉ. सिद्दीकी ने बताया कि 3 दिसंबर 2023 को सभी अभ्यर्थी और उनके गणना अभिकर्ता मतगणना शुरू होने से पूर्व निर्धारित समय में उपस्थित होंगे। मतगणना में डाकमत पत्र अंतर्गत ईटीपीबीएस और सामान्य डाकमत का गणना और मतदान केन्द्रों के ईवीएम व्हीव्हीपैट मशीन की गणना की जाएगी। उप जिर्ला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रकाश भारद्वाज ने राजनीतिक दलों को मतगणना के संबंध में सामान्य जानकारी दिया। मास्टर ट्रेनर श्री थानेश्वर चन्द्रा ने ईटीपीबीएस, सामान्य डाकमत और मतदान केन्द्रों के ईवीएम व्हीव्हीपैट मशीन की गणना के संबंध में विस्तार से जानकारी दिया। इस अवसर पर रिटर्निंग अधिकारी सारंगढ़ मोनिका वर्मा, नायब तहसीलदार कोमल साहू, बंदेराम भगत सहित राजनीतिक दलों के अभ्यर्थी और उनके गणना अभिकर्ता उपस्थित थे। अभ्यर्थी और उनके गणना अभिकर्ता ने स्ट्रांग रूम में अब तक डाक विभाग से ईटीपीबीएस से प्राप्त डाकमत पत्र का अवलोकन किया। बिलाईगढ़ विधानसभा में अब तक 80 और सारंगढ़ विधानसभा में 20 डाकमत पत्र प्राप्त हुए हैं। इस अवसर पर नायब तहसीलदार कोमल साहू, बंदेराम भगत, कोषालय अधिकारी चन्द्रपाल सिंह ठाकुर, निर्वाचन पर्यवेक्षक हरिकिशन डनसेना सहित राजनीतिक दलों के अभ्यर्थी और उनके गणना अभिकर्ता उपस्थित थे।

सभी कार्यालयों को तम्बाकू मुक्त बनाने के निर्देश

कांकेर। कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला द्वारा जिले के सभी कार्यालयों को तम्बाकू मुक्त संस्थान बनाने के निर्देश दिए गये हैं। जारी निर्देशानुसार तम्बाकू मुक्त संस्थान हेतु मानक मापदण्ड अनुसार जिले में स्थित सभी कार्यालयों में तम्बाकू के सेवन पर प्रभावकारी रोक के लिए नोडल अधिकारी का चयन कर निगरानी समिति का गठन किया जाएगा। प्रत्येक कार्यालय के प्रवेश द्वार पर धूम्रपान मुक्त निषेध क्षेत्र का बोर्ड होना अनिवार्य है, जिसमें प्रभारी का नाम, मोबाईल नम्बर व पदनाम उल्लेखित हो। कार्यालय के सभी सदस्यों को तम्बाकू मुक्त कार्यालय की जानकारी हो तथा तम्बाकू के दुष्प्रभाव से संबंधित प्रचार-प्रसार बोर्ड या पोस्टर का प्रदर्शित किया जाना अनिवार्य होगा। कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारी को किसी भी प्रकार के तम्बाकू पदार्थ का सेवन पूर्णत: प्रतिबंधित होगा।

बहु-अनुशासी टीमों ने 17 दिनों में कोक ओवन के वाई 98 गैलरी का किया पुनरूद्धार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की बहुअनुषासी टीम ने उत्कृष्ट इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों का प्रयोग करते हुए अपने अथक प्रयासों से 17 दिनों में पुनरुद्धार के पष्चात वाई 98 गैलरी से कोयले की आपूर्ति फिर से शुरू करने में सफलता प्राप्त की। 9 नवंबर 2023 को जंक्शन हाउस में झुकाव के कारण तीन गैलरी 97, 98 और 79 क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिससे कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग के साइलो में कोयले की आपूर्ति बाधित हो गई।

इस गैलरी के माध्यम से कोयले की आपूर्ति को पुन: सुनिष्चित करना एक बहुत बड़ा काम था जिसमें पुरानी संरचनाओं को हटाना, साइटों की सफाई, साइट की तैयारी, सिविल फाउंडेषन को सुदृढ करना, बेल्ट और सहायक उपकरण के साथ गैलरी का पुन:निर्माण शामिल था। स्थिति का आंकलन करते हुए संयंत्र प्रबंधन ने तत्काल टीमों का गठन कर कार्य आरंभ किया। पहले दिन, प्लांट के इंजीनियरिंग डिजाइन विभाग (ईडीडी) ने संरचना और निर्माण के लिए सभी आवश्यक ड्राइंग उपलब्ध कराया। विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग समूहों को कार्य सौंपा गया। निर्माण कार्यों के लिए बीएसपी के 120 टन क्षमता वाली क्रेन के अलावा, एक विशेष 400 टन क्षमता का उच्च भार वहन करने वाले क्रेन का उपयोग किया गया। स्टोर विभाग और केंद्रीय विपणन संगठन ने फेब्रिकेषन और रिपेयर के लिए सभी आवश्यक स्टील और सहायक उपकरणों की व्यवस्था की। इस कार्य में लगी सभी टीमों ने सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए अपना-अपना काम सटीकता से किया है। गैलरी के पुनरुद्धार के कार्य को शीघ्र पूरा करने के लिए मुख्य महाप्रबंधक (पावर फैसिलिटीज) राजीव पांडे, मुख्य महाप्रबंधक (ईएमडी) राकेश जोशी और मुख्य महाप्रबंधक (सीओ एंड सीसीडी) तरुण कनरार के देखरेख में टीमों को कार्य क्षेत्र सौंपे गए थे।

मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (आयरन) तापस दासगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड यू) असित साहा और मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं) पी के सरकार ने स्वयं रात्रि पाली में कार्यों की निगरानी की। क्षेत्र में आवश्यक प्रकाश व्यवस्था और कार्यों की प्रगति की ऑनलाइन निगरानी के लिए कैमरे के व्यवस्था क्रमश: विद्युत विभाग और दूरसंचार विभाग द्वारा प्रदान किए गए। संयंत्र की सभी केंद्रीय एजेंसियों और कोक ओवन विभाग ने अतिरिक्त प्रयास करते हुए निर्माण कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

वाई 98 गैलरी के निर्माण और फेब्रिकेषन के लिए 17 दिनों के चैबीसों घंटे के प्रयासों के बाद, 26 नवंबर 2023 को लगभग 8.40 बजे गैलरी का मैनुअल मोड पर परीक्षण किया गया और कुछ मिनट बाद वाई 98 में लोड लिया गया। सभी टीमें अभी भी सक्रिय हैं और गैलरी वाई 97 का फेब्रिकेषन और पुनरुद्धार कार्य शीघ्र ही सम्पन्न होने की संभावना है। साथ ही वाई 79 गैलरी के पुनरुद्धार का कार्य भी तेजी से चल रहा है। वाई 98 गैलरी के पुनरुद्धार के साथ ही गैलरी के माध्यम से कुल कोयले आपूर्ति का 50 प्रतिशत फिर से शुरू कर दिया गया है।

निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता, कार्यपालक निदेषक (वर्क्स) अंजनी कुमार और मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (आयरन) तापस दासगुप्ता ने उत्कृष्ट टीम वर्क के परिणामस्वरूप वाई 98 गैलरी के माध्यम से कोयले की आपूर्ति को पुनर्जीवित करने की प्रक्रिया में शामिल सभी टीमों और एजेंसियों के सदस्यों को बधाई दी है।

जिले में पालतू पशुओं के नस्ल सुधार के लिए चलाया जा रहा अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार जिले में पशुपालन विभाग द्वारा किसानों और पशुपालकों के पालतू मवेशियों के नस्ल सुधार के लिए अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 29 नवम्बर से 15 दिसम्बर तक सभी विकासखण्डों में संचालित किया जा रहा है। जिससे इन किसानों और पशुपालकों को उन्नत नस्ल के नर एवं मादा वत्स प्राप्त हो सकेगा। पशुपालन विभाग द्वारा उक्त पालतू पशुओं के नस्ल सुधार अभियान को लगातार सुचारू रूप से संचालित करने के लिए मोबाइल वेटनरी यूनिट एवं मैदानी अमले की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं उक्त अभियान के बारे में व्यापक प्रचार प्रसार कर किसानों एवं पशुपालकों को जानकारी दी जा रही है।

संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं जगदलपुर डॉ देवेन्द्र नेताम ने इस सम्बंध में बताया कि कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के निर्देश के अनुरूप जिले में किसानों एवं पशुपालकों के पालतू पशुओं के जरिये उन्नत नस्ल के वत्स उपलब्ध कराने के लिए पालतू मवेशियों का नस्ल सुधार अभियान चलाया जा रहा है। जिससे इन किसानों तथा पशुपालकों को आय संवृद्धि हो सके। उन्होंने बताया कि उक्त अभियान को प्रत्येक ब्लॉक में कलस्टर तैयार कर चलाया जा रहा है, जिसके तहत सम्बंधित कलस्टर के गांवों में व्यापक प्रचार-प्रसार कर किसानों तथा पशुपालकों को अवगत कराया जा रहा है और उन्हें अपने पालतू पशुओं के नस्ल सुधार के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस अभियान के लिए मोबाइल वेटनरी यूनिट एवं मैदानी अमले की ड्यूटी लगाई गई है। इसके साथ ही उक्त अभियान के मॉनिटरिंग के लिए सम्बंधित ब्लॉक के सहायक पशु चिकित्सा शल्यज्ञ को जिम्मेदारी सौंपी गई है। नस्ल सुधार अभियान को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु प्रत्येक ब्लॉक में 30-30 कलस्टर निर्धारित कर सम्बंधित कलस्टर के गांवों को शामिल किया गया है। उक्त अभियान के दौरान पालतू मवेशियों का उपचार करने सहित किसानों एवं पशुपालकों को हरा चारा उत्पादन यथा बरसीम, नेपियर घास उत्पादन एवं यूरिया पैरा उपचार के बारे में जानकारी दी जा रही है।

गोबर की लकड़ी बनाकर महिला समूह कर सकती है अतिरिक्त आय-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने बुधवार की सुबह शहर के एसएलआरएम सेंटरों का निरीक्षण दौरा किया। इस दौरान उन्होंने डोगाघाट में संचालित सेंटर को गोबर से वर्मी कंपोस्ट खाद और गोबर से लकड़ी बनाने वाले सेंटर के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सेंटर में कार्य करने वाली महिला समूह को गोबर की लकड़ी बनाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए, उक्त लकड़ियों का उपयोग मुक्तिधाम में करवाने कहा ताकि समूह के सदस्यों को अतिरिक्त आय प्राप्त हो।

डोगाघाट सेंटर में गोबर से बिजली बनाने वाले यूनिट में उपयोग हुए गोबर को भी लकड़ी बनाने में प्रयोग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी एसएलआरएम सेंटरों में स्थित वर्मी खाद को डोगाघाट में स्थानांतरित करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी सेंटरों में कचरा कलेक्शन को सख्ती से करवाने और शहर के मुख्य मार्गों में मलबा डालने वालों के खिलाफ जुर्माना की कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। सभी एसएलआरएम सेंटर की जमींन को राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवाने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस निरीक्षण दौरे में आयुक्त नगर निगम हरेश मंडावी भी रहे।

कलेक्टर श्री विजय ने प्रवीर वार्ड स्थित एसएलआरएम सेंटर की महिलाओं से चर्चाकर परिसर की साफसफाई के साथ साथ प्रत्येक दिन कचरा प्रबंधन के लिए महिलाओं को अधिक मेहनत कर वेस्ट मटेरियल से अतिरिक्त आय का जरिया बनाने के लिए जोर दिया। उन्होंने सेंटर में स्थापित मशीन का बेहतर इस्तेमाल करने के लिए कहा। परिसर में कचरा प्रबंधन को नियमित कर ज्यादा वेस्ट मटेरियल वाले सेंटरों से प्राथमिकता से हटाने के निर्देश दिए। इस कार्य के लिए एमआरएफ के कर्मियों को भी संलग्न करने कहा। सेंटर के बाहर रखे मलबा और कचरा को हटाकर समतल करने निर्देश दिए।

इसके उपरांत महाराणा प्रताप वार्ड के एसएलआरएम सेंटर का निरीक्षण किया। साथ ही कंगोली स्थित नगर निगम के 5.5 एकड़ में फैले डंपिंग यार्ड का जायजा लिया। उन्होंने यार्ड को डी क्लेम करने और मैदान का नजरी नक्शा बनाकर देने के निर्देश दिए। डंपिंग यार्ड में रखे पुराने मशीनों का इस्तेमाल और कंडम घोषित करवाने के संबंध में भी चर्चा किया गया।

सेवामुक्त हुए ठाकुर राम सिंह को आयोग में दी गयी भाव भीनी विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त ठाकुर राम सिंह सेवामुक्त हो गये हैं । आज इसी के मद्देनज़र राज्य निर्वाचन आयोग में विदाई समारोह का आयोजन कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गयी । आयोग के सभाकक्ष में दोपहर 12 बजे से आहूत इस समारोह को संबोधित करते हुए सचिव कैसर अब्दुल हक़ ने कहा कि बतौर आयोग के सचिव के अल्प कार्यकाल में भी उन्हें श्री सिंह से बहुत कुछ सीखने मिला ।

विदाई समारोह में ठाकुर राम सिंह के कार्यकाल की सबने की खुले मन से तारीफ

कार्य के प्रति समर्पण , ज़िम्मेदारी लेकर काम पूरा करना और समय की पाबंदी श्री सिंह के व्यक्तित्व ऐसी ख़ासियत है जो इनके शांत सौम्य व्यक्तित्व में चार चाँद लगा देती है ।उन्होंने उम्मीद जतायी की अगर आयोग के सभी अधिकारी कर्मचारी इन गुरों को अपना लेंगे तो उन्हें सफलता पाने में कोई दिक़्क़त नहीं आएगी। श्री सिंह अपने प्रशासनिक कार्यकाल में हमेशा सही और कड़े फ़ैसले लेते रहे हैं । राज्य निर्वाचन आयोग में भी हमेशा चुनाव जैसे महत्वपूर्ण कार्य को अपने अनुभव से आसानी से संपादित करते रहे हैं । उन्होंने अंत में कहा कि अब आयुक्त के तौर पर सेवामुक्त होकर वे स्वस्थ्य, खुशहाल और दीर्घायु रहें यही प्रार्थना है ।

उप सचिव दीपक अग्रवाल ने कहा कि ना केवल राज्य निर्वाचन आयोग बल्कि दो ज़िला बिलासपुर और रायपुर में जब श्री सिंह कलेक्टर के तौर पर पदस्थ थे तब उनके साथ काम करने का मौका मिला और हमेशा से उनके साथ काम करना सहज रहा क्योंकि वे डटकर और पूरी मेहनत झोंक कर काम करते ।

वे हमेशा से सरल और सुलझे हुये रहे और अपने अधीनस्थों को भी पूरी ज़िम्मेवारी से काम करने का अवसर देते ।

इस मौक़े पर उप सचिव श्रीमती अंकिता गर्ग ने खुले कंठ से उनका अपने अधीनस्थों के प्रशासनिक और व्यक्तिगत जीवन में आने वाली दिक़्क़तों में हर संभव सही सलाह और सपोर्ट देने की तारीफ़ की । विदाई बेला में अवर सचिव द्वय आलोक श्रीवास्तव, प्रणय वर्मा , सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारियों ने भी श्री सिंह कार्यकाल के दौरान के अनुभव साझा करते हुए उन्हें काफ़ी सुखद और यादगार बताया।

ईव्हीएम, वीवीपैट से मतगणना के लिए सुपरवाईजर एवं गणना सहायकों को दिया गया प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2023 की 3 दिसंबर 2023 (रविवार) को मतगणना होना है, जिसको लेकर जिला प्रशासन अपनी तैयारियों में जुटा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रभात मलिक की मौजूदगी में आज यहां वन विद्यालय प्रशिक्षण केन्द्र के सभाकक्ष में दो पालियों में 184 गणना सुपरवाईजर एवं गणना सहायकों को मतगणना का प्रशिक्षण दिया गया।

3 दिसंबर को जिले की चारों विधानसभा सीटों की मतगणना ज़िला मुख्यालय स्थित कृषि उपज मंडी पिटियाझर में सुबह आठ बजे से शुरू होगी। सबसे पहले डाक मतपत्रों की गिनती शुरू होगी। तत्पश्चात सभी टेबलों पर एक साथ मतगणना शुरू होगी। मतगणना के दौरान अभ्यर्थी के अभिकर्ता सिर्फ निर्धारित टेबल पर ही मतगणना का निरीक्षण करेंगे।

मतगणना की पूरी कार्यवाही मतगणना प्रेक्षक तथा सामान्य प्रेक्षक की उपस्थिति तथा निगरानी में होगी। इस दौरान प्रत्येक राउंड की समाप्ति पर अभ्यर्थी व उनके अभिकर्ता की उपस्थिति एवं प्रेक्षक की निगरानी में रेंडम के आधार पर किसी दो कंट्रोल यूनिट की जांच की जाएगी। मतगणना की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जाएगी। मतणना के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 14-14 टेबल लगाई जाएगी। एक टेबल पर मतगणना सुपरवाइजर, और मतगणना सहायक रहेंगे। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर श्री मलिक ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों को पालन करते हुए त्रुटिरहित एवं पारदर्शी तरीके से मतगणना कराने निर्देश दिए।

इसके साथ ही मतगणना प्रक्रिया में बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों के बारे में जानकारी दी। दिये गए प्रशिक्षण के अनुसार ही मतगणना कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि यदि फिर भी किसी भी प्रकार की परेशानी आती है तो तुरंत अपने रिटर्निंग ऑफिसर या नोडल अधिकारी के संज्ञान में लाकर उसका समाधान करें। उन्होंने कहा कि जो अधिकारी, कर्मचारियों की ड्यूटी मतगणना हेतु लगाई गई है वह निर्धारित समय पर अपने कार्य करने हेतु उपस्थित रहें व सभी कार्य बड़ी शांतिपूर्वक व सावधानी से करने है। कलेक्टर श्री मलिक ने कहा कि मतगणना के दौरान मतगणना कर्मी मोबाइल का उपयोग नहीं कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि महासमुंद जिला अंतर्गत कुल 1079 मतदान केन्द्र हैं। जिसमें से महासमुंद विधानसभा अंतर्गत 246, खल्लारी विधानसभा अंतर्गत 277, बसना विधानसभा अंतर्गत 286 एवं सरायपाली विधानसभा अंतर्गत 270 मतदान केन्द्र हैं। ज़िला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स श्री संजय मांझी ने मतगणना में लगे अधिकारी, कर्मचारियों को निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देशानुसार मतगणना की गिनती करने हेतु हर पहलू को बिन्दुवार बड़ी वरीयता से विस्तार पूर्वक बताया।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन 30 दिसम्बर तक

बिलासपुर। जिले के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के ऐसे विद्यार्थी जो पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते है, वे 30 दिसम्बर 2023 तक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। इसी प्रकार ड्राफ्ट प्रोपोजल लॉक करने की अंतिम तिथि 15 दिसम्बर से 20 जनवरी 2024 तक एवं सेक्शन ऑर्डर लॉक करने की अंतिम तिथि 15 दिसम्बर से 24 जनवरी 2024 तक है। यह पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति जिले में संचालित सभी शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग, मेडिकल एवं नर्सिंग कॉलेजों, आईटीआई, पालीटेक्निक के विद्यार्थियों के लिए है। शिक्षा सत्र 2023-24 हेतु ऑनलाईन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही वेबसाइट पर की जा रही है। निर्धारित तिथि के पश्चात शिक्षा सत्र 2023-24 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति ऑनलाईन आवेदन हेतु पोर्टल बंद कर दिया जाएगा एवं ड्राफ्ट प्रोपोजल लॉक अथवा सेक्शन ऑर्डर लॉक करने का अवसर भी प्रदान नहीं किया जाएगा।

खास खबर

आदिवासी नाबालिग छात्रा को डरा धमकाकर दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

कांकेर। जिले में कक्षा नवमी की आदिवासी छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दो युवकों ने एक आदिवासी नाबालिग छात्रा को डरा धमकाकर अलग-अलग दिन दुष्कर्म किया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र का है। थाना प्रभारी प्रेमप्रकाश अवधिया के अनुसार, आरोपी लीलेश विश्वकर्मा 27 वर्ष और जितेंद्र ध्रुव निवासी चौगेल ने आदिवासी छात्रा के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है. छात्रा कक्षा नवमीं की छात्रा है। घटना 10 और 12 जुलाई 2023 की है। आरोपियों की धमकी से डरी छात्रा ने घटना की जानकारी किसी को नहीं दी थी।

फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन बिक्री करने वाला आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन बिक्री करने वाला आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। प्रार्थी बुधारू राम यादव निवासी सुभाष चौक सुपेला की पट्टा भूमि सुभाष चौक सुपेला स्थित को सुखदेव यादव निवासी आदर्श नगर दुर्ग द्वारा फर्जी दस्तावेज तैयार कर स्व. चन्द्रमोहन नायर को बिक्री करने की जानकारी प्रार्थी को होने पर शिकायत प्रस्तुत किया गया है। जांच पर आरोपी द्वारा धोखाधडी करना पाये जाने से धारा 420, 467 भादवि अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला-दुर्ग राम गोपाल गर्ग के निर्देश पर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर अभिषेक झा एवं नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर विश्व दीपक त्रिपाठी के मार्गदर्शन में फरार आरोपियों के विरूद्ध अभियान चलाकर पर धर पकड़ कार्यवाही करने निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में धोखाधडी के आरोपी सुखदेव यादव को तलाश किया जा रहा था। आज आरोपी सुखदेव यादव को आदर्श नगर दुर्ग से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से पूछताछ करने पर प्रार्थी की जमीन का फर्जी दस्तावेज तैयार कर वर्ष 2012 में स्व. चन्द्रमोहन नायर को खसरा नंबर 718 रकबा 7.82 डिसमिल में करीब 5000 वर्गफीट भूमि बिक्री करना स्वीकार किया। आरोपी को न्यायिक रिमाण्ड में भेजा गया। इस महत्वपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी सुपेला निरीक्षक दुर्गेश कुमार शर्मा, प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक आकांक्षा पाण्डेय, उप निरी. प्रमोद सिन्हा, आर. विकास तिवारी का विशेष योगदान रहा।

प्रेमिका की हत्या कर जंगल में दफनाया शव

प्रेमी बोला- शादी का दबाव बना रही थी, इसलिए घोंट दिया गला

कोरबा (ए)। कोरबा में एक युवक ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर दी और दोस्तों के साथ मिलकर शव जंगल में दफना दिया। फिर लड़की के परिजनों को फोन कर 15 लाख रुपए की फिरौती भी मांगी। पुलिस आरोपियों को तलाश कर रही थी, लेकिन दो माह बाद आरोपियों ने कटघोरा कोर्ट में सरेंडर कर दिया।

पुलिस ने बताया कि, बांगो क्षेत्र निवासी कृष्णा विश्वकर्मा ने शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि उनकी बेटी संतोषी विश्वकर्मा (29) 28 सितंबर को सिलाई सीखने की बात कहकर घर से गई थी, फिर नहीं लौटी। कुछ दिनों बाद उनकी बेटी के मोबाइल से कॉल आया कि बेटी को जिंदा देखना चाहते हो तो 15 लाख रुपए देने होंगे।

कॉल करने वालों ने धमकी दी कि रुपए नहीं मिले तो बेटी को मार देंगे। पुलिस ने जांच शुरू की तो संतोषी का पाली तानाखार निवासी सोनू (31) से प्रसंग का पता चला। मोबाइल ट्रेसिंग में संतोषी और सोनू की लोकेशन भी एक मिली। इस पर पुलिस ने दबिश दी, लेकिन आरोपी नहीं मिला। बच छिपते रहे, लेकिन जब लगा की नहीं बचेंगे तो सरेंडर कर दिया।

पुलिस दो माह से आरोपियों की तलाश कर रही थी, लेकिन पकड़ नहीं सकी। आरोपियों के कोर्ट में सरेंडर करने की सूचना पर पुलिस पहुंची और रिमांड ली। पुलिस पूछताछ में सोनू ने पूरी वारदात का खुलासा किया। उसने यह भी बताया कि अपने 4 अन्य साथियों के साथ मिलकर उसने वारदात को अंजाम दिया था।

पुलिस को सोनू ने बताया कि, उसका संतोषी से 5-6 साल से प्रेम प्रसंग था। संतोषी उस पर शादी का दबाव बना रही थी। इस पर उसने साजिश रची और 28 सितंबर को संतोषी को मिलने के लिए बुलाया। फिर पाली तानाखार ले गया। कुछ दिन साथ रहने के बाद उसने संतोषी की गला घोंटकर हत्या दी।

लड़की की लाश को जंगल में दफनाया

संतोषी की हत्या के बाद जब सोनू को लगा कि वह अकेले लाश ठिकाने नहीं लगा पाएगा तो उसने पाली में रहने वाले अपने दोस्त को बुलाया। उसने अपने 3 अन्य दोस्त बुलाए। इसके बाद पांचों ने मिलकर संतोषी का शव जंगल में ले जाकर दफना दिया। इसके बाद उन्होंने फिरौती की रकम मांगी।

पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला ने बताया कि आरोपियों ने संतोषी के शव को पाली के झरिया जंगल में दफनाया था। CDR की मदद से पुलिस ने हर एंगल से तफ्तीश की, जिसमें हत्या की जानकारी सामने आई। मुख्य आरोपी प्रेमी सोनू समेत पांचों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

तेंदुए की खाल बेचने की फिराक में घूम रहे 3 आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद। तेंदुए की खाल बेचने के फिराक में घूम रहे ओडिशा के 3 आरोपियों को उदंती सीतानदी अभ्यारण्य की एंटी पोचिंग टीम ने धर दबोचा। बता दें कि 27 नवंबर को उदंती सीतानदी अभ्यारण्य की एंटी पोचिंग टीम को सूचना मिली थी कि बीरीघाट क्षेत्र में कुछ संदिग्ध तेंदुए की खाल को बेचने ग्राहक तलाश रहे । इस सूचना पर टीम ने तेंदुए की खाल के साथ तीन आरोपियों को हिरासत में लिया।

अभ्यारण्य प्रशासन ने आज प्रेस नोट जारी कर बताया कि आरोपी कार्तिक गोड 45 वर्ष उसका बेटा गोरांगो गोड 23 वर्ष के अलावा उपेंद्र रावत 25 वर्ष को खाल के साथ हिरासत में लिया गया। तीनों आरोपी ओडिशा चंदाहांडी थाना क्षेत्र के चकामाल ग्राम के निवासी हैं। उपनिदेशक वरुण जैन के मार्गदर्शन में टीम का नेतृत्व कर रहे उदंती अभ्यारण्य के सहायक संचालक गोपाल कश्यप ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि तेंदुए को जहर देकर मारा गया।

शिकार के मामले में अन्य और आरोपी है। जिसकी पतासाजी की जा रही है। कश्यप ने कहा कि पेशेवर इन तस्करों के निशानदेही पर आगे की पड़ताल जारी है. आगे बड़ी सफलता मिलने की उम्मीद है। आरोपियों के विरूद्ध वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत कार्यवाही कर 28 को देवभोग न्यायालय में पेश किया गया, जहां से तीनों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। इस अभियान में सुशील सागर रेंजर इंदागांव, चंद्रबली ध्रुव उपनोडल अधिकारी, राकेश मार्कडेय, चूरामन धृत लहरे, ओमप्रकाश राव, फलेश्वर दीवान, ऋषि ध्रुव समेत अन्य वन कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

अपहरण और हत्या की घटना में शामिल महिला नक्सली गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। गंगालूर इलाके में विभिन्न घटनाओं में शामिल रही एक महिला नक्सली को पुलिस ने अस्पताल परिसर से पकड़ने में सफलता हासिल की हैं। पुलिस के मुताबिक, गंगालूर थाना क्षेत्र में विभिन्न घटनाओं में शामिल रही महिला नक्सली जनमिलिशिया सदस्य रुखनी पुनेम उर्फ नमिता गायता पिता सोमलु उम्र 24 निवासी पुसनार थाना गंगालूर को गंगालूर अस्पताल परिसर में देखे जाने की सूचना के बाद थाना प्रभारी के नेतृत्व में महिला पुलिस की टीम ने अस्पताल परिसर में पहुंचकर उक्त महिला नक्सली को पकड़ने में कामयाबी हासिल की।

महिला नक्सली रुखनी पुनेम उर्फ नमिता गायता गंगालूर थाना क्षेत्र में हुए विभिन्न घटनाओं में शामिल रही है। जिसमें 27 अगस्त 2021 को पुसनार गोरगेपारा निवासी आयतु पुनेम के घर से राशन और मवेशी लूटने की घटना में आठ अप्रैल 2021 को धुरवापारा पुसनार के ग्रामीण सोमलु पोटाम से मारपीट करने और घर से राशन सामाग्री मवेशी लूटने की घटना में 21 जुलाई 2021को धुरवापारा पुसनार के तीन ग्रामीणों की हत्या करने की घटना में शामिल थी।

इसके अलावा आठ अगस्त 2021 को धुरवापारा पुसनार निवासी सुदरु पुनेम व परिवार से मारपीट करने व घर से राशन सामाग्री, मवेशी लूटने की घटना में शामिल रही है। पकड़ी गई महिला नक्सली के विरुद्ध गंगालूर थाना में चार स्थाई वारंट लंबित हैं। उक्त महिला नक्सली के विरुद्ध गंगालूर थाना में वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय बीजापुर के समक्ष पेश किया गया हैं।

जिले में नहीं थम रहे आत्महत्या के मामले

जूनियर इंजीनियर ने लगाई फांसी और महिला ने पांच मंजिल से कूदकर दी जान

दुर्ग। दुर्ग के मोहन नगर थाना क्षेत्र के कातुलबोर्ड के रहने वाले प्रतीक साहू ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक ने अपने दोनों हाथों को बांधकर फांसी लाकर खुदकुशी की है। मृतक प्रतीक विद्युत विभाग में जूनियर इंजीनियर के पद पर रायपुर सिलतरा में पदस्थ था और कुछ दिनों से परेशान था। जिसके चलते आत्मघाती कदम उठाया है।

मृतक अपने परिवार वालों के साथ रहता था और घटना के दिन ऊपर वाले कमरे में जाकर फांसी लाकर खुदकुशी कर ली। घटना की सूचना मिलते की पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम को बुलाकर जांच कराई गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल भेजवा दिया है। युवक का खुदकुशी का कारण अज्ञात बताया जा रहा है। पुलिस परिजन और आसपास के लोगो से पूछताछ कर रही है। वही दूसरी घटना जामुल थाना क्षेत्र के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की है। जहां एक 68 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने पांच मंजिला इमारत से कूद कर खुदकुशी कर ली है। मृतिका हाउसिंग बोर्ड निवासी गायत्री शर्मा ने बुधवार दोपहर कैलाश नगर के दलित परिषद की पांचवी मंजिल से कूद कर जान दे दी। गायत्री शर्मा के परिजनों ने पुलिस को बताया है कि मृतिका गायत्री शर्मा की मानसिक हालत ठीक नहीं थी। पिछले कुछ सालों से उनका इलाज एम्स और अकोला महाराष्ट्र में चल रहा था। जामुल पुलिस ने शव को पीएम के लिए सुपेला अस्तपाल भेजवा दिया है और मर्ग कायम कर जांच में जुटी गई है।

क्रिकेट मैच के टिकट की कालाबाजारी

हजार का 3 हजार में बेच रहे थे गिरफ्तार 4 युवकों से 13 टिकट जब्त

रायपुर। वीर नारायण सिंह स्टेडियम नवा रायपुर में 1 दिसंबर को होने वाले भारत-ऑस्ट्रेलिया टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच के टिकटों की कालाबाजारी करने वाले चार युवकों को पुलिस ने बुधवार को फुंडहर से गिरफ्तार किया है। इनके पास से मैच की 13 टिकटें जब्त की गई हैं।

पुलिस अफसरों ने पहले ही दावा किया था कि मैच से पहले किसी भी परिस्थिति में टिकटों की कालाबाजारी नहीं होने दी जाएगी। उसके बाद भी शहर में ब्लैक में टिकटों की बिक्री शुरू हो गई थी। इसकी सुगबुगाहट मिलने के बाद से पुलिस सक्रिय हो गई। कई संदिग्धों पर नजर रखी जा रही थी।

एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा कोतवाली पुलिस की टीम ने 29 नवंबर को तुलसी बाराडेरा मंदिर हसौद में रहने वाले अनिल जांगड़े, आकाश कुमार धीवर और सिविल लाइन निवासी बबलू नायक व आशीष मिश्रा को मैच की टिकटों को ज्यादा कीमत में बेचते हुए पकड़ा। इन सभी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई। अफसरों ने बताया कि टिकटों की कालाबाजारी करने वालों पर पैनी नजर रखी जा रही है। कहीं से भी सूचना मिलने तुरंत जांच की जा रही है।

इस मामले में कई जगहों पर छापेमारी भी कई गई है। गिरफ्तार किए गए युवक 1000 वाली स्टूडेंट्स टिकट को 3000 और 2000 वाली टिकट 3500 में बेच रहे थे। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि इन सभी के पास एक साथ इतनी टिकट कहां से आई।

दिन दहाड़े छात्रा का अपहरण, चंद घंटों में पुलिस ने बदमाश को दबोचा, सकुशल मिली नाबालिग

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में बुधवार को दिन दहाड़े स्कूली छात्रा का अपहरण होने से हड़कंप मच गया। छात्रा अपनी सहेली के साथ स्कूल जा रही थी इस दौरान रास्ते में कार सवार बदमाश उसे उठा ले गया। घटना की सूचना मिलते ही जशपुर पुलिस एक्टिव हुई। घटना के लगभग 4 घंटों के भीतर पुलिस ने बदमाश को दबोच लिया और छात्रा को सकुशल परिजनों को सौंप दिया। आरोपी के खिलाफ पुलिस धारा 363 के तहत कार्रवाई की गई है। वहीं इस केस को सुलझाने वाले पुलिस कर्मियों के लिए एसपी ने रिवार्ड की घोषणा भी की।

दरअसल यह पूरा मामला जशपुर जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पुलिस को सूचना मिली कि बुधवार की सुबह 17 वर्षीय नाबालिग लड़की स्कूल जाने अपनी एक सहेली के साथ घर से निकली थी। इस बीच रास्ते में एक कार में एक लड़का आया और उसे अपने कार में जबरन बैठाकर ले गया। छात्रा की सहेली ने इस बात की जानकारी अपने स्कूल के शिक्षक एवं परिजनों को दिया। इसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई। दिन दहाड़े छात्रा के अपहरण से हड़कंप मच गया। पुलिस ने तत्काल छात्रा की तलाश के लिए शहर की नाकेबंदी की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप ने बताया कि शहर के सीसीटीवी कैमरा फुटेज निकालकर सभी थाना/चौकी क्षेत्र में आने-जाने वाले वाहनों की नाकाबंदी कर चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान पुलिस को क्लू मिला और लोखंडी से आगे एक जंगल से छात्रा को बरामद किया गया। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ धारा 363 के तहत कार्रवाई की गई। इस पूरी कार्रवाई में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी जशपुर राजेश देवांगन, निरीक्षक रविशंकर तिवारी, चौकी प्रभारी लोदाम उप निरीक्षक अशोक यादव, प्रधान आरक्षक नारायण प्रसाद, आरक्षक विनोद तिर्की, धीरेंद्र मधुकर, दीपक भगत, राजेश कालो, विशेश्वर राम, महिला आरक्षक शुषमा बाई आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दोषमुक्त हो चुके सरकारी कर्मचारी के खिलाफ नहीं चलेगा अपराधिक प्रकरण का मामला-हाईकोर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने एक प्रकरण में निर्धारित किया है कि जांच में दोषमुक्त हो चुके शासकीय सेवक के खिलाफ अपराधिक प्रकरण निरंतर नहीं चल सकता। इस आधार पर याचिकाकर्ता के खिलाफ अपराधिक प्रकरण निरस्त करने का आदेश दिया। विभागीय जांच के बाद दोषमुक्त होने के बाद भी कार्यपालन यंत्री के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज करा दी गई थी।

राजनांदगांव गांव जिले के डोंगरगढ़ में जल संसाधन विभाग में पदस्थ कार्यपालन यंत्री डीसी जैन ने वहां तीन स्टॉप डेम बनाने की तकनीकी स्वीकृति दी थी। इसके आधार पर टेंडर हुआ और वर्क ऑर्डर जारी किया गया। तीन स्टॉप डेम में से एक में काम पूरा हो गया था।

दूसरे और तीसरे में 40 और 25 प्रतिशत ही काम हुआ था। मगर कार्य प्रगति पर था। बहाव क्षेत्र को छोड़कर अन्य भाग में निर्माण हुआ था। इस बात की शिकायत कर दी गई कि काम पूरा नहीं हो सका है। आरईएस विभाग के कार्यपालन यंत्री ने इस मामले में जांच की। इसके बाद कहा कि कार्य अपूर्ण है। इसके साथ ही पुलिस में एफआईआर कराने के निर्देश दिए।

एफआईआर के बाद जैन को आरोप पत्र भी दिया गया। विभागीय जांच का निष्कर्ष आने पर दोषसिद्धि नहीं हुई। रिपोर्ट में बताया गया कि उन्होंने तकनीकी स्वीकृति दी थी और बहाव क्षेत्र को पहले छोडऩा ही पड़ता है। यह कार्य अभी प्रगति पर है। याचिकाकर्ता ने अपरधिक प्रकरण और एफआईआर को निरस्त करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की। सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट के उस निर्णय का उल्लेख किया गया जिसमें साफ किया गया है कि जांच में दोषमुक्त हो चुके शासकीय सेवक के खिलाफ अपराधिक प्रकरण नहीं चल सकता है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

सामुदायिक एवं प्रिवेटिंव पुलिसिंग के तहत संपति संबंधी अपराधों में आई कमी

दुर्ग। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग राम गोपाल गर्ग के निर्देशन में संपत्ति संबंधी अपराधों में तुलनात्मक अक्टूबर एवं नवंबर 2022 से अक्टूबर एवं नवंबर 2023 में आई कमी। जिला दुर्ग में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राम गोपाल गर्ग के मार्गदर्शन में संपत्ति संबंधी अपराधों के

रोकथाम के अंतर्गत सामुदायिक एवं प्रिवेटिंव पुलिसिंग के तहत् लगातार कार्यवाही करते हुये विगत 02 माह अक्टूबर, नवम्बर में पूर्व के वर्ष 2022 की तुलना में वर्तमान 2023 के माह अक्टूबर, नवम्बर में नकबजनी के अपराधों में 8 प्रतिशत की कमी आयी है, वही पर साधारण चोरी के मामलों में 52 प्रतिशत कमी आयी है, वाहन चोरी के मामलों में 20 प्रतिशत कमी आयी है तथा लूट/चैन स्नैचिंग के मामलों में 50 प्रतिशत कमी आयी है। वर्ष 2022 में माह अक्टूबर एवं नवम्बर में संपत्ति संबंधी अपराधों की तुलना में अक्टूबर एवं नवम्बर 2023 में कुल 11 प्रकरणों में सफ्लता अर्जित की गई है जो विगत वर्ष 2022 में माह अक्टूबर एवं नवम्बर में संपत्ति संबंधी अपराधों की बरामदगी की तुलना में 73 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

जिला अस्पताल को मिला व्हील चेयर व स्ट्रेचर

दुर्ग। जिला चिकित्सालय के ओ पी डी के मरीजों हेतु स्व. शारदा प्रसाद अग्रवाल के स्मृति में अग्रवाल परिवार दुर्ग द्वारा एक व्हील चेयर व एक स्ट्रेचर प्रदान किया गया है। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ अरुण साहू, डॉ बी आर कोसरिया, डॉ संगीता भाटिया, डॉ अल्पना अग्रवाल, डॉ कल्पना जैफ, नेत्र सहायक अधिकारी अजय नायक उपस्थित रहे। इस पुनित कार्य के लिए नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से अनिल बल्लेवार, कुलवंत भाटिया, राज आढ़तिया, प्रवीण तिवारी,मुकेश आढ़तिया, हरमन दुलई,रितेश जैन, जितेंद्र हासवानी, मंगल अग्रवाल, किरण भंडारी, उज्जवल पींचा, सत्येंद्र राजपूत, सुरेश जैन, राजेश पारख, पियूष मालवीय, दीपक बंसल, विकास जायसवाल, मुकेश राठी, प्रभु दयाल उजाला, प्रमोद बाघ, सपन जैन, यतीन्द्र चावड़ा, बंसी अग्रवाल, अभिजीत पारख, मोहित अग्रवाल,चेतन जैन, दयाराम टांक ने अग्रवाल परिवार को साधुवाद दिया है।

कोलाहल प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित

दुर्ग। उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ बिलासपुर द्वारा पारित अन्तरिम आदेश के परिपालन में शिक्षण संस्थाओं की शैक्षणिक गतिविधियां, वृद्धजनों, नि:शक्तजनों, बीमार व्यक्तियों के स्वास्थ्य तथा लोक शांति को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने कोलाहल अधिनियम-1985 की धारा 18 तथा ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम, 2000 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला दुर्ग की सीमा के अंतर्गत समस्त शासकीय, अशासकीय हॉस्पिटल, समस्त शासकीय, अशासकीय शैक्षणिक संस्थान, जिला एवं सत्र न्यायालय तथा अन्य न्यायालय व समस्त शासकीय कार्यालय क्षेत्र के 100 मीटर की परिधि को कोलाहल प्रतिबंधित क्षेत्र (जोंस ऑफ साइलेंस) घोषित किया है। आदेशानुसार अधिकृत सक्षम अधिकारी आदेश का कड़ाइ से पालन कराते हुए ध्वनि प्रदूषण (नियम एवं नियंत्रण) नियम, 2000 के अंतर्गत कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। जिला दण्डाधिकारी का आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

शहर में बिना रजिस्ट्रेशन के नहीं लगेंगे ठेले, कलेक्टर का निर्देश, 15 हजार ठेले किए जाएंगे व्यवस्थित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग-भिलाई के अंतर्गत अब बिना रजिस्ट्रेशन के ठेले नहीं लगाए जाएंगे। बुधवार को दुर्ग कलेक्टर पुष्पेन्द्र मीणा ने नगरीय निकाय से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक में जिले के सभी निकायों को यह निर्देश दिए। कलेक्टर ने बाजार और यातायात सुविधा को देखते हुए सड़क किनारे समान बेचने लगे ठेलों को व्यवस्थित करने को कहा।

उन्होंने कहा कि ठेलो के सड़क किनारे लगने से जाम की स्थिति बन जाती है। यातायात में असुविधा उत्पन्न होती है। इस कारण उक्त ठेलों को व्यवस्थित को व्यवस्थित किया जाए। कलेक्टर ने लगभग साढ़े 15 हजार ठेलों को जगह चिन्हांकित कर शिफ्ट करने को कहा है। उन्होंने कहा कि ठेलों को वेडिंग जोन में रखना संभव न हो तो सड़क किनारे स्थान जहां ठेला लगाया जा सके उसी स्थान पर ठेलों को व्यवस्थित करने को कहा। साथ ही उन्होंने नगर निगम आयुक्तों को अपने अपने निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी ठेलों का पंजीयन कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सड़क किनारे पड़ी कंडम गाड़ियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि सड़क के किनारे व वर्कशाप के पास कई कंडम गाड़िया रखी होती है, जिससे यातायात में असुविधा होती है और जाम की स्थित उत्पन्न होती है। उन्होंने नगर निगम आयुक्तों से उपयुक्त स्थान चिन्हांकित कर उसे व्यवस्थित करने को कहा।

मच्छरों के लिए की जाएगी फॉगिंग

कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्तों से मच्छर से होने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए फागिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। आयुक्त नगर निगम ने बताया कि दुर्ग में 108, भिलाई में 58, चरौदा में 54, कुम्हारी में 12, जामुल में 16, धमधा में 23, अमलेश्वर में 15, अहिवारा में 12 तथा उतई में 7 स्थानों का चयन किया गया है। उन्होंने पानी भराव वाले जगहों में मच्छरों को भगाने के लिए समुचित व्यवस्था करने को कहा।

भिक्षुओं को रखा जाए रैन बसेरा में

कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्तों को सड़कों पर घुमंतु भिक्षुओं को चिन्हांकित करने को कहा। नगर निगम आयुक्त ने बताया कि अभी तक 123 भिक्षुओं को चिन्हांकित किया गया है। कलेक्टर ने कहा सड़क पर भिक्षावृत्ति करने वालों को राहत केन्द्र में व्यवस्थित किया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही भिक्षावृत्ति में संलिप्त घुमंतु बच्चों को बाल आश्रय स्थल पर रखने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने खुले में घूमने वाले मवेशियों को रेडियम बेल्ट और टेगिंग कर नजदीक के गौठानों में स्थानांतरित करने एवं पशुओं को खुले में विचरण नही करने के संबंध में व्यापक मुनादी करने को कहा।

सर्विस रोड पर निगम ने चलाया वृहद बेदखली अभियान जमीन समतल कर पार्किंग व्यवस्था दुरूस्त किये

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे सर्विस रोड पर निगम ने वृहद बेदखली अभियान चलाकर दक्षिण गंगोत्री एवं उत्तर गंगोत्री क्षेत्र के 35 स्थानो से कब्जा हटाने की कार्यवाही किए। जिन लोगों ने बॉस बल्ली, ठेला गोमचे, बेनर पोस्टर, बोर्ड तथा विक्रय के लिए वाहन को रख थे उनसे दंड भी वसूला गया। सड़क पर डंप रेत, गिट्टी व अन्य निर्माण सामग्री को हटाकर सड़क को आवागमन के लिए खाली कराया गया।

अभियान के दौरान 20800 जुर्माना भी वसूल किया गया। साथ ही 3 कंडम वाहन को भी सड़क से हटाया गया। आयुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर निगम भिलाई का अमला लावलस्कर के साथ प्रात: 10:30 बजे दक्षिण गंगोत्री के सर्विस रोड पर कार्यवाही करने उतरे तो आटो डीलर अपने विक्रय के सेकेण्ड हैंड वाहनो को जी.ई.रोड और सर्विस रोड के बीच पार्किंग स्थल पर प्रदर्शन हेतु लगाए हुए थे, उन्होने निगम की कार्यवाही को देखकर स्वयं अपने वाहनो को हटाना शुरू कर दिये, इसके अलावा सर्विस रोड के किनारे लगाए गए होर्डिंग्स व साइन बोर्ड को भी उखाड़कर जप्ती बनाया गया। कई स्थानों पर ठेले खोमचे पर चाय, नाश्ता बेचने वालों के कारण सड़क में बाधा आ रही थी उसे बांस बल्ली से अस्थायी कब्जे तथा लोहे से बने गुमटी को जेसीबी से लिफ्ट कर जप्त किया गया।

तोड़फोड़ दस्ता के साथ चल रहे जे.सी.बी. सुपेल चौक से लेकर प्रयास स्कूल के सामने तक सर्विस रोड के किनारे जमीन को समतल कर चूना मार्किंग किया गया ताकि उक्त स्थल पर व्यवस्थित रूप से लोग अपना वाहन खड़े कर सके। कार्यवाही के दौरान 7 स्थानों से अवैध कब्जा, 16 स्थानों से वाहन विक्रेता को हटाया गया वहीं स्ट्रीट वेंडर्स के रूप में 15 फूल विक्रेता जो सड़क पर सामान फैलाकर व्यवसाय कर रहे थे उन्हें आवंटन के अतिरिक्त किए गए घेरे को गुरूवार को स्वयं से हटा लेने को कहा गया है।

बेदखली अभियान का नेतृत्व अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, अभियान के नोडल अधिकारी प्रीति सिंह, जोन आयुक्त खिरोद्र भोई, ट्राफिक उप अधीक्षक पीड़ी चंद्रा कर रहे थे, उन्होने वाहन विक्रेताओ से कहा की चिन्हित पार्किंग स्थल पर विक्रय के वाहन प्रदर्शन के लिए न रखे। अभियान में नामांकित अधिकारियों के साथ यातराम चंद्राकर, राजेश गुप्ता, दिनेश बेलचंदन, इमान सिंह, गौकरण, खेमलाल यादव, चैतु, मानसिंह, यातायात पुलिस बल साथ रहे।

गौरवपथ से हटवाया अतिक्रमण लगाया नॉन वेंडिंग जोन का बोर्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर बाजार अधिकारी जावेद अली के नेतृत्व में अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, सहायक बाजार अधिकारी थानसिंह यादव के अलावा टीम ने गौरवपथ सड़क किनारे ठेला-गुमटी को हटाया गया और उन्हें नगर पालिक निगम की दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की टीम द्वारा शहरी पथ विक्रेताओं को सहायता योजनान्तर्गत फुटकर फल व्यवसायियो को मानस भवन के पास गुमटी रख कर व्यवसाय करने व्यस्थापित किया जा रहा है। जिससे फल विक्रेताओं को एक निश्चित सुविधाजनक स्थान प्रदाय किया जा सके। इसके दृष्टिगत आज गांधी चौक से जेल चौक तक के फ ल विक्रेताओं को मानसभवन के पास स्थित गुमटियों में व्यवस्थापित किया गया।इस दौरान निगम अमले ने उतई चौक गौरवपथ क्षेत्र से लेकर जेल चौक तक के सड़क किनारे ठेले, खोमचे लगाकर कारोबार करने वालों को टीम ने दर्जनों जगहों से सड़क किनारे अतिक्रमण को हटाया गया। निगम अमला को देखकर कुछ कब्जाधारी स्वयं अपना सामान हटाने लगे।

अभियान के दौरान निगम के ईश्वर वर्मा, शशिकांत यादव सहित एवं अन्य कर्मचारी मौजूद थे। नगर निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने बताया कि शहर की सुंदरता एवं सड़क किनारे कब्जा होने से लोगों को आवागमन में दिक्कत होती है। इस संबंध में निगम को लगातार शिकायत मिल रही थी। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में शहर के अन्य क्षेत्रों में भी अतिक्रमण हटाने कार्रवाई की जाएगी। दोबारा अतिक्रमण करने पर जुर्माना के साथ समान जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

मतगणना 3 दिसंबर को प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा आम निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा तिथि 09 अक्टूबर से संपूर्ण जिले में आदर्श आचरण प्रभावशील है। 17 नवंबर को जिले में मतदान कार्यक्रम संपन्न हो चुका है। 3 दिसंबर को विधानसभा चुनाव 2023 के मतगणना का कार्य श्री शंकराचार्य इंजीनियरिंग कॉलेज जुनवानी भिलाई के भवन में प्रात: 8 बजे से किया जाएगा। भवन के भूतल में एवं प्रथम तल में सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना का कार्य संपन्न होना है।

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 1973 के अंतर्गत धारा 144 (1) एवं (2) के तहत् प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए दण्डात्मक आदेश पारित किया है। जिला दण्डाधिकारी के आदेशानुसार जिले के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति घातक अस्त्र-शस्त्र जैसे बंदूक, पिस्टल, रायफल, रिवाल्र, तलवार, फरसा, भाला, लाठी, चाकू, छुरा, कुल्हाड़ी, बरछी, गुप्ती, त्रिशुल, खुरखरी, सांग एवं बल्लम अन्य प्रकार के घातक हथियार तथा विस्फोटक सामग्री लेकर किसी भी सार्वजनिक स्थान, आम सड़क रास्ता, सार्वजनिक सभाओं एवं अन्य स्थानों पर लेकर नहीं चलेगा। कोई भी राजनीतिक दल या व्यक्ति सशस्त्र जुलूस नहीं निकलेगा और न ही आपत्तिजनक पोस्टर वितरित करेगा। बल्क एस.एम.एस. एवं फोन कॉल करना प्रतिबंधित रहेगा। यह आदेश उन शासकीय अधिकारीयों, कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा जिन्हें अपने कार्य संपादन के लिए लाठी या शस्त्र रखना आवश्यक है। यह आदेश उन शासकीय कर्मचारियों पर भी लागू नहीं होगा जिन्हें चुनाव व मतदान के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधिकारी नियुक्त किया गया है। यह आदेश उन व्यक्तियों पर भी लागू नहीं होगा जिन्हें शारीरिक दुर्बलता, वृद्धावस्था तथा लंगड़ापन होने के कारण सहारे के रूप में लाठी रखना आवश्यक होता है। मतगणना दिवस को मतगणना समाप्ति तक मतगणना केंद्र श्री शंकराचार्य इंजीनियरिंग कालेज, जुनवानी भिलाई के चारों ओर 300 मीटर की परिधि तक उक्त अवैधानिक कृत्य प्रतिबंधित रहेगा। मतगणना दिवस को मतगणना केन्द्र के 300 मीटर की परिधि के भीतर मोबाईल व फोन ले जाना एवं इसका उपयोग प्रतिबंधित रहेगा।

सुरक्षा प्रबंधों में चूक बरतने वाले बैंकों के खिलाफजारी किए जाएंगे नोटिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज दुर्ग बद्री नारायण मीणा के निर्देशन एवम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राम गोपाल गर्ग के द्वारा बैंको के सुरक्षा ऑडिट के संबंध में दिए गए आदेशानुसार पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर अभिषेक झा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अनंत कुमार के मार्गदर्शन में जिले के सभी प्राइवेट एवम सरकारी बैंक में बुधवार को सुबह 10 बजे से समस्त थाना/चौकी प्रभारियों के द्वारा आकस्मिक निरीक्षक किया गया।

बैंक चैकिंग के दौरान बैंकों में सुरक्षा प्रबंध, चाक-चौबंद करने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए, साथ ही जिन बैंको में सुरक्षा प्रबंधों में चूक पाई जाएगी उन बैंकों को नोटिस भी जारी किए जाएंगे। जिन बैंकों में गार्ड और सीसीटीवी की व्यवस्था नहीं होगी, उन बैंकों को पुलिस द्वारा नोटिस जारी कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

चेकिंग के दौरान पुलिस अधिकारियों ने कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओ पर बैंक के अधिकारियों से चर्चा कर समझाइश दी। इन दिनों बैंकों एवम एटीएम में आपराधिक वारदातों की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

इन घटनाओं को रोकने के लिए बैंकों का सहयोग होना बेहद जरूरी है। बैंक अधिकारी स्वयं व बैंक के गार्ड के बारे में जानकारी नजदीकी थाने में अवश्य दें ताकि जरूरत के समय आपस में संपर्क हो सके। इसके अलावा बैंकों में सुरक्षा मानकों की समय-समय की जांच अवश्य करवाने के लिए बैंक प्रबंधन को नोट करवाया गया। बैंकों के अंदर व बाहर हाई रेज्यूलेश के कैमरे लगे हो व इसमें ज्यादा से ज्यादा दिनों की रिकार्डिंग सेव रहे। बैंकों का अलार्म सिस्टम दुरूस्त हो व जहां कैश रखा जाता है, वहां सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध हो। एटीएम मे सुरक्षा गार्ड के साथ-साथ अच्छी क्वालिटी के सेंसर भी लगे हो। बैंक में या आसपास अगर कोई संदिग्ध व्यक्ति नजर आता है तो तुरंत इस बारे डायल 112 पर सूचना दें। सभी एटीएम में डायल 112 के नंबर, थाना प्रभारियों एवम वरिष्ठ अधिकारियों के नंबर चस्पा करने के निर्देश भी दिए गए।

राष्ट्रीय साइकिलिंग चैंपियनशिप के लिए छत्तीसगढ़ टीम रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राष्ट्रीय साइकिलिंग चैंपियनशिप के लिए छत्तीसगढ़ की टीम तैयार कर ली गई है। साइकिलिंग क्लब के अध्यक्ष व बीएसपी ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार बछोर व बीएसपी सायकल पोलो क्लब के अध्यक्ष परविंदर सिंह ने टीम की घोषणा की। टीम में अधिकतर खिलाड़ी बीएसपी साइकिलिंग क्लब के खिलाड़ी चुने गए।

चयनित टीम सोमवार को हटिया एक्सप्रेस से रांची के लिए रवाना हुई। टीम यहां 30 नवंबर से 4 दिसंबर तक होने वाली 52वीं जूनियर ट्रैक नेशनल साइकिलिंग चैंपियनशिप 2023 में भाग लेगी।

छत्तीसगढ़ टीम की घोषणा के बाद नरेन्द्र कुमार बंछोर ने बीएसपी सायकल पोलो मैदान में खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों से उनके तैयारी के बारे में चर्चा की एवं उन्हें शुभकामनाएं दी तथा हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को ट्रैक साइकिलिंग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया क्योंकि ओलंपिक में अधिक इवेंट ट्रैक साइकिलिंग के होते हैं एवं भारतीय साइकिलिंग फेडरेशन का रूझान भी इसी ओर है इसलिए राज्य को इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। साइकिलिंग ऐसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष हिमांशु द्विवेदी ने भी सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी हैं। इस मौके पर रमेश श्रीवास्तव अध्यक्ष छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ, ईवी सुनील सचिव बीएसपी साइकिलिंग क्लब, संजीव सारस्वत कोषाध्यक्ष बीएसपी साइकिलिंग क्लब, देवेन्द्र सिंह बरार सहायक प्रबंधक भिलाई इस्पात संयंत्र, परविंदर सिंह अध्यक्ष बीएसपी सायकल पोलो क्लब, देवप्रकाश वर्मा (कोच) एवं संगीता अतरम ने सभी खिलाड़ियों को शुभकमनाएं दी।

6 माह से निरंतर कर रहे अभ्यास

छत्तीसगढ़ साइकिलिंग संघ के महासचिव विनायक चन्नावर ने बताया कि बीएसपी साइकिलिंग क्लब के खिलाड़ी विगत 6 माह से निरंतर जयंती स्टेडियम स्थित वेलोड्रम में अभ्यास कर रहे हैं। राज्य के चयनित खिलाड़ियों के लिए भिलाई में एक विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया था जिसमें जबलपुर के एनआइएस प्रशिक्षक प्रतीक एवं शैलेन्द्र पटेल ने खिलाड़ियों को साइकिलिंग के विभिन्न इवेंट का प्रशिक्षण प्रदान किया तथा छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों की प्रतिभा की सराहना की।

यह है चयनित छत्तीसगढ़ की टीम

बालिका वर्ग में पूनम चौधरी, इसिता सिन्हा, खूशबू साहू गायत्री सिंह एवं निशा देवांगन को टीम में शामिल किया गया है। वहीं बालक वर्ग में प्रिंस कुमार सिंह, दुष्यंत बारले, चंद्रशेखर साहू, शुभम यादव, पियूष कुमार साहू, राहुल निर्मलकर, योगेश्वर साहू, प्रिंस मेहता, करन शाह, कृष्णा शाह, प्रवीण कुमार यादव, पंकज सिन्हा, सन्नी चौधरी, विहान सिंह गुप्ता आदि का चयन हुआ। यह सभी खिलाड़ी बीएसपी साइकिलिंग क्लब से हैं। इसके अलावा 2 खिलाड़ी आशु प्रधान एवं धनंजय निषाद रायगढ़ जिला से हैं। दल के कोच शैलेन्द्र प्रटेल, देवप्रकाश वर्मा, बीना मिश्रा एवं मैनेजर संगीता अतरम है।

आदर्श मार्केट बनेगा पावर हाउस का बाजार, चेंबर पदाधिकारियों ने आयुक्त ने मिलकर बताया पूरा प्लान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर का सबसे पुराना व व्यस्त बाजार पावर हाउस भिलाई को आदर्शा बाजार बनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसके लिए छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन व भिलाई चेंबर के अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा ने भिलाई निगम आयुक्त रोहित व्यास से मुलाकात कर प्लान पर चर्चा की। निगम आयुक्त की ओर से भी सकारात्मक पहल का आश्वासन मिला है। जल्द ही पावर हाउस को आदर्श बाजार बनाने का काम शुरू कर दिया जाएगा।

आयुक्त से मुलाकात के दौरान चेंबर के पदाधिकारियों ने पावर हाउस बाजार को आधुनिक सर्व सुविधायुक्त आदर्श बाजार बनाने के लिए हर विषय बिंदु पर गम्भीरता से चर्चा की। चर्चा के बाद पावर हाउस बाजार के प्रत्येक प्रत्येक बिन्दुओं जैसे नाली, सड़क, शौचालय, बिजली व्यवस्था, ग्राहकों के लिए पेयजल व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था का रुटमैप तैयार किया जाएगा। आयुक्त रोहित व्यास ने सर्कुलर मार्केट में महिला एवं पुरूष के लिए आधुनिक शौचालय, पिंक टायलेट पर अधिकारियों को शीघ्र से शीघ्र कार्रवाई का निर्देश दिया। प्रदेश महामंत्री अजय भसीन बाजार का नक्शा दिखाकर व्यापारियों की मूल समस्याएं ग्राहक को बाजार के अंदर एवं बाहर की सुविधा पर एक एक विषय पर अपनी बात रखी। उनका निराकरण किस प्रकार किया जाए सभी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस अवसर मनोहर कृष्णानी, सुधाकर शुक्ला, शिवराज शर्मा, विशाल छाबड़ा, सुनिल मिश्रा आदि मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950